MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 17 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-134

आयात नीति में बदलाव

सोने के बाद अब चाँदी पर पाबंदी

नयी दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने कुछ खास प्रकार के सिल्वर बार (चांदी की ईंटे) के आयात पर तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगा दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 99.9% शुद्धता वाले सिल्वर बार को फ्री कैटेगरी से हटाकर रिस्ट्रिक्टेड कैटेगरी में डाल दिया गया है। इसके अलावा अन्य सिल्वर बार को भी प्रतिबंधित आयात श्रेणी में शामिल किया गया है।वाणिज्य मंत्रालय की संशोधित आयात नीति के तहत यह कदम देश में चांदी के आयात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि चांदी आयात से जुड़े नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। इससे पहले सरकार ने कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी की थी और एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम के तहत सोने के आयात पर 100 किलोग्राम की सीमा भी तय की थी। यह स्कीम ज्वेलरी निर्यातकों को कच्चा माल या इनपुट सामग्री जीरो ड्यूटी पर आयात करने की अनुमति देती है।

प्लैटिनम पर भी कड़ी पाबंदी

सरकार ने सोने के आयात के लिए एडवांस ऑथराइजेशन जारी करने और उसकी निगरानी के नियम भी कड़े कर दिए हैं। पहले इस स्कीम के तहत सोने के आयात पर कोई सीमा नहीं थी। पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ते इम्पोर्ट बिल के बीच सरकार ने सोना और चांदी पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, ताकि गैर-जरूरी खरीद को हतोत्साहित किया जा सके। 13 मई से लागू नए नियमों के तहत सोना और चांदी पर इम्पोर्ट ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। प्लैटिनम पर इम्पोर्ट ड्यूटी 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा गोल्ड/सिल्वर डोरे, सिक्कों और अन्य संबंधित वस्तुओं पर भी ड्यूटी स्ट्रक्चर में बदलाव किए गए हैं। यह फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के कुछ ही दिनों बाद लिए गए हैं, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा के गैर-जरूरी खर्च को कम करने के लिए लोगों से अगले एक साल तक सोना नहीं खरीदने और बहुत जरूरी न हो तो विदेशी नहीं जाने की बात कही थी।

भारत बड़ी मात्रा में सोना और चांदी आयात करता है। पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पहले ही आयात बिल बढ़ गया है। ऐसे में कीमती धातुओं का बड़े पैमाने पर आयात देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव डालता है। तेल और गैस की तरह सोना-चांदी का आयात भी डॉलर में होता है। इन चीजों का ज्यादा आयात का मतलब ज्यादा डॉलर खर्च करना होगा। सरकार गैर-जरूरी विदेशी मुद्रा खर्च कम करना चाहती है। जब डॉलर में होने वाला आयात खर्च और निर्यात से होने वाली कमाई से ज्यादा होता है तो व्यापार घाटा बढ़ता है। इस कारण डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है और देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सरकार ने सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी और सिल्वर बार के आयात को प्रतिबंधित कर दिया, ताकि लोग इनकी खरीदारी कम करें और विदेशी मुद्रा बचाई जा सके।

बंडी पुत्र गिरफ्तार

पोक्सो मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):
साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के पेटबशीरबाग पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध संख्या 684/2026 के तहत आरोपी बंडी साई भागीरथ उर्फ भागीरथ को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत (जुडिशियल रिमांड) में भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (2)(एम), 74, 75 और पॉक्सो अधिनियम 2012 की धारा 5 (1) सहपठित 6 के तहत मामला दर्ज है। ज्ञातव्य है कि आरोपी बंडी भागीरथ केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार का बेटा है।

बंडी संजय कुमार अपने पुत्र के साथ (फाइल फोटो)

साइबराबाद के पुलिस कमिश्नर एम रमेश रेड्डी द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर गत 8 मई 2026 को यह मामला दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान जांच अधिकारी ने पीड़िता और अन्य गवाहों के बयानों की गहनता से जांच की। पीड़िता के बयानों के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए कानून की धाराओं में बदलाव किया गया और इसमें बीएनएस की धारा 64 (2) (एम) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5 (1) सहपठित 6 को जोड़ा गया।

इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए कुकटपल्ली की डीसीपी श्रीमती रीतिराज को जांच की निगरानी करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही जांच अधिकारी ने मजिस्ट्रेट के माध्यम से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनए-सएस) की धारा 183 के तहत पीड़िता का बयान भी दर्ज कराया।

दिल्ली से करीमनगर तक छापेमारी और लुक आउट सर्कुलर जारी

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चौतरफा प्रयास शुरू किए थे। साइबराबाद पुलिस की विभिन्न टीमों को करीमनगर, दिल्ली और अन्य संभावित ठिकानों पर भेजा गया था। पुलिस टीमों ने आरोपी के परिचितों के घरों सहित उन सभी स्थानों पर सघन तलाशी ली, जहाँ उसका आना-जाना था। आरोपी के देश छोड़कर भागने की आशंका को देखते हुए जांच अधिकारी द्वारा एक लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था।

नाकाबंदी के दौरान टेक पार्क के पास धराया आरोपी, कुबूला जुर्म

आज पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि आरोपी पुलिस अकादमी के आसपास घूम रहा है, जिसके तुरंत बाद इलाके में सख्त नाकाबंदी की गई। पुख्ता जानकारी के आधार पर साइबराबाद की एसओटी टीम ने आरोपी भागीरथ को साइबराबाद के नारसिंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंचीरेवुला स्थित टेक पार्क के पास से दबोच लिया। पुलिस ने उसे 16 मई 2026 की रात 8:15 बजे हिरासत में लिया और तुरंत पेटबशीरबाग पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया।

इसके बाद आरोपी को जांच अधिकारी के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने पुलिस स्टेशन में पंच गवाहों की उपस्थिति में उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद जांच अधिकारी ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। चिकित्सा परीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, आरोपी भागीरथ को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इससे पूर्व दिनभर यह खबर थी कि भागीरथ ने पोक्सो मामले में अदालत से कोई राहत न मिलने पर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। साइबराबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था, ताकि वह देश छोड़कर बाहर न जा सके। कथित तौर पर, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुलिस को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

सत्यमेव जयते : बंडी संजय कुमार

इस गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सत्यमेव जयते लिखते हुए एक पोस्ट साझा की।

▶8पर

सिर्फ भोजशाला, मस्जिद नाम हटा

365 दिन पूजा कर सकेंगे हिन्दू

नयी दिल्ली/धार/इंदौर, 16 मई (एजेंसियां)।
मध्य प्रदेश के धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर 21 साल पुराना कानूनी गतिरोध पूरी तरह समाप्त हो गया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के चलते भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने एक नया शासकीय आदेश जारी किया है। इसके बाद अब इस स्थल के नाम से आधिकारिक तौर पर मस्जिद शब्द को हटा दिया गया है और हिंदुओं को साल के 365 दिन बिना किसी रोक-टोक के पूजा-अर्चना और अध्ययन का अधिकार सौंप दिया गया है।

अब तक सरकारी और कानूनी दस्तावेजों में इस परिसर को भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद के नाम से संबोधित किया जाता था। एए-सआई के इस नए आदेश के बाद अब इसके टाइटल से मस्जिद का नाम हटा दिया गया है। अब यह आधिकारिक तौर पर सिर्फ भोजशाला कहलाएगी।

शुक्रवार की नमाज की सीमा स्वतः समाप्त

7 अप्रैल 2003 को जारी एएसआई के जिस आदेश के तहत हिंदुओं की पूजा को केवल मंगलवार तक सीमित किया गया था, उसे पूरी तरह निरस्त कर दिया गया है। अब हिंदू श्रद्धालु साल के 365 दिन यहां प्राचीन परंपरा के अनुसार मां वाग्देवी की पूजा और शास्त्रों का अध्ययन कर सकेंगे। हाई कोर्ट की ओर से साल 2003 की व्यवस्था को पूरी तरह पलटने के बाद, अब शुक्रवार को होने वाली नमाज की अनुमति वाली सीमा स्वतः समाप्त हो गई है। भले ही हिंदू समुदाय को निर्बाध प्रवेश का अधिकार मिल गया है, लेकिन परिसर की ऐतिहासिक महत्ता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एए-सआई ने कुछ वैधानिक नियम भी लागू रखे हैं: यह परिसर एएमएए-सआर अधिनियम 1958 (प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम) के तहत एक राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक बना रहेगा।

श्रद्धालुओं, शोधार्थियों और सामान्य आगंतुकों के लिए दैनिक प्रवेश का समय क्या होगा, इसका निर्धारण स्थानीय अधीक्षण पुरा-तत्वविद् जिला प्रशासन और पुलिस बल से परामर्श करने के बाद तय करेंगे। परिसर के भीतर शिक्षा, शोध और पूजा के संबंध में कौन-कौन सी गतिविधियां अनुमति होंगी, इसकी गाइडलाइन भी स्थानीय प्रशासन की देखरेख में तय की जाएगी ताकि स्मारक की सुरक्षा और भौतिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे।

▶8पर

IPL फाइनल में नकवी!

आईसीसी बोर्ड मीटिंग के बहाने आ सकते हैं भारत

नई दिल्ली/ अहमदाबाद, 16 मई (एजेंसियां)।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस महीने भारत आ सकते हैं। आईसीसी ने नकवी को अहमदाबाद में 30 और 31 मई को होने वाली बोर्ड मीटिंग का न्योता भेजा है। अहमदाबाद में 31 मई को आईपीएल 2026 का फाइनल भी होना है। नकवी अगर भारत आते हैं तो आईपीएल फाइनल भी अटेंड कर सकते हैं।

एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक नकवी ने यह निमंत्रण पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है। अब वही तय करेंगे कि नकवी भारत आएंगे या नहीं। जियो टीवी के मुताबिक, बोर्ड मीटिंग्स पहले मार्च और अप्रैल में दोहा में होनी थीं, लेकिन तनाव और संघर्ष की वजह से इन्हें टाल दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने 12 मई को कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे को वीजा भी देना चाहिए। खेलकूद और व्यापार भी होना चाहिए। लेकिन पुलवामा जैसे हमले का जवाब भी मजबूती से देना होगा।

26 नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत सरकार का रुख काफी सख्त हो गया। हमले में लगभग 166 लोगों की मौत हुई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए। इस हमले का जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा को ठहराया गया। हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में भारी तनाव आया। शांति वार्ता प्रभावित हुई और भारत-पाक क्रिकेट द्विपक्षीय सीरीज लगभग बंद हो गईं। भारत ने कहा था ` आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 27^0

100 साल बाद नीदरलैंड से चोल राजवंश के ताम्र-पत्र की वापसी

नयी दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (16 मई 2026) को रॉयल पैलेस में नीदरलैंड के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मुलाकात की। इसके बाद पीएम मोदी ने बताया कि 11वीं शताब्दी के चोल राजवंश के तांबे के पत्र (कॉपर प्लेट्स) अब नीदरलैंड्स से वापस भारत लाए जाएंगे। इस ऐतिहासिक फैसले को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए बेहद खुशी का पल है। पीएम मोदी ने एक्स पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, हर भारतीय के लिए बेहद खुशी का पल! चोल राजवंश के तांबे के पत्र (ताम्र-पत्र) नीदरलैंड से भारत वापस लाए जाएंगे। प्रधानमंत्री रॉब जेटेन की मौजूदगी में, मैंने इस समारोह में हिस्सा लिया। ये चोल कॉपर प्लेट्स कुल 24 प्लेटों का एक सेट है, जिसमें 21 बड़ी और 3 छोटी प्लेटें हैं। इन पर दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषाओं में से एक तमिल भाषा में लेख लिखे हुए हैं। ये दस्तावेज महान राजा राजेंद्र चोल प्रथम के समय के हैं, जिन्होंने अपने पिता, राजा राजराजा प्रथम द्वारा किए गए एक मौखिक वादे को औपचारिक रूप दिया था। पीएम मोदी ने लिखा,

▶8पर

जनसंख्या बढ़ाओ, पैसे पाओ !

चंद्रबाबू का ऑफर, तीसरे पर 30 और चौथे पर 40 हजार

नयी दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।
आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब राज्य में जो परिवार तीसरा बच्चा पैदा करेगा, उसे सरकार 30,000 रुपये देगी। और अगर चौथा बच्चा हुआ तो 40,000 रुपये मिलेंगे। यह ऐलान उन्होंने श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में एक पब्लिक मीटिंग में किया।

मार्च 2025 में नायडू ने विधानसभा में बताया था कि सरकार दूसरा बच्चा पैदा करने वाले जोड़ों को 25,000 रुपये देने के बारे में सोच रही है। यानी पहले सिर्फ दूसरे बच्चे पर पैसे देने की बात थी। लेकिन बाद में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने बताया कि सरकार ने फैसला बदला और अब यह सुविधा तीसरे और चौथे बच्चे पर भी दी जाएगी।

शनिवार को नरसन्नापेटा में स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायडू ने खुद माइक पर यह ऐलान किया। उन्होंने कहा, मैंने एक नया फैसला लिया है। तीसरे बच्चे के जन्म पर 30,000 रुपये और चौथे बच्चे पर 40,000 रुपये तुरंत दिए जाएंगे। क्या यह सही फैसला नहीं है? नायडू ने यह भी बताया कि इस फैसले की पूरी जानकारी एक महीने के अंदर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री नायडू का कहना है कि आंध्र प्रदेश में बच्चे पैदा करने की दर लगातार गिर रही है। दुनिया भर में यह माना जाता है कि किसी भी राज्य या देश की आबादी तब स्थिर रहती है जब हर महिला औसतन 2.1 बच्चों को जन्म दे। मुख्यमंत्री नायडू ने चेताया कि अगर यह दर और नीचे गिरी तो राज्य की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आज कई जोड़े सिर्फ एक बच्चा रखना चाहते हैं क्योंकि उनकी कमाई घट गई है और वे सोचते हैं

▶8पर

महिलाओं के करीब आने पर जल्दी उड़ जाते हैं शहरी पक्षी : रिसर्च

लंदन

शहरों में रहने वाले पक्षी पुरुषों की तुलना में महिलाओं से ज्यादा डरते हैं और उनके करीब आने पर जल्दी उड़ जाते हैं। यूरोप के वैज्ञानिकों की एक नई रिसर्च ने इस व्यवहार को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। यह रिसर्च फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड और स्पेन के वैज्ञानिकों ने मिलकर की है। अध्ययन के दौरान 37 अलग-अलग पक्षी प्रजातियों के व्यवहार का विश्लेषण किया गया।

इनमें कौवे, कबूतर, राबिन और अन्य छोटे-बड़े शहरी पक्षी शामिल थे। रिसर्च में सामने आया कि पक्षी पुरुषों को अपने करीब आने के लिए औसतन एक मीटर अधिक दूरी तक सहन कर लेते हैं, जबकि महिलाएं जैसे ही नजदीक पहुंचती हैं, वे तेजी से उड़ जाते हैं। वैज्ञानिकों ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि पक्षियों का व्यवहार किसी अन्य वजह से प्रभावित न हो। इसके लिए पुरुष और महिला प्रतिभागियों की ऊंचाई लगभग समान रखी गई। दोनों को एक जैसे कपड़े पहनाए गए ताकि बाहरी रूप से जेंडर पहचानना मुश्किल हो। यहां तक कि उनके बालों को भी पूरी तरह ढक दिया गया।

सभी प्रतिभागियों को एक ही गति से पक्षियों की ओर बढ़ने के निर्देश दिए गए थे। इन सावधानियों के बावजूद परिणाम एक जैसे ही रहे। पक्षियों ने महिलाओं के प्रति अधिक सतर्कता दिखाई। यही बात वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा हैरान कर रही है। अब शोधकर्ता यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर पक्षी इंसानों के बीच जेंडर का अंतर कैसे पहचान लेते हैं। रिसर्च के बाद वैज्ञानिक कई संभावित कारणों पर विचार कर रहे हैं। पहली थ्योरी इंसानों के चलने के तरीके यानी बाडी मूवमेंट से जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरुषों और महिलाओं के चलने के ढंग में अंतर होता है। संभव है कि महिलाओं की चाल या शरीर की गतिविधियां पक्षियों को अधिक सतर्क कर देती हों।

हालांकि अभी तक इस सिद्धांत को पूरी तरह साबित नहीं किया जा सका है। दूसरी संभावना इंसानी शरीर की गंध से जुड़ी हुई है। पहले यह माना जाता था कि पक्षियों की सूंघने की क्षमता बहुत कमजोर होती है, लेकिन हाल की कई रिसर्च में सामने आया है कि पक्षी केमिकल संकेतों को पहचानने में सक्षम होते हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि महिलाओं के शरीर से निकलने वाले कुछ हार्मोन या गंध पक्षियों को अलग तरह से प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। अध्ययन की एक और खास बात यह है कि ऐसा व्यवहार मुख्य रूप से शहरी पक्षियों में देखा गया। शहरों में रहने वाले पक्षी लगातार इंसानों के संपर्क में रहते हैं और खुद को सुरक्षित रखने के नए तरीके विकसित करते रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में 100 रुपये से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी से रोक

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा नाकों पर दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर लगाए जा रहे कस्टम शुल्क पर नेपाल उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार शुल्क लगाने संबंधी वित्त मंत्रालय के निर्णय पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश जारी किया। 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान लाने पर भंसार शुल्क लगाने की व्यवस्था को व्यापार संधि के प्रावधानों के खिलाफ बताते हुए अधिवक्ता अमितेश पण्डित सहित अन्य लोगों ने रिट याचिका दायर की थी। पहले वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार कर अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। इसके बाद तराई-मधेश क्षेत्र के सीमा नाकों पर सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। 27 अप्रैल को दायर रिट याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अंतरिम आदेश पर बहस के लिए बुलाया था। सरकार की ओर से दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को अदालत ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय और कस्टम विभाग के नाम अंतरिम आदेश जारी करते हुए तत्काल इस व्यवस्था पर रोक लगाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के तुरंत बाद सीमा नाकों पर सख्ती शुरू की गई थी।

व्हाट्सऐप नए वेलकम मैसेज फीचर की कर रहा टेस्टिंग

सैन फ्रांसिस्को। सोशल मीडिय प्लेटफार्म व्हाट्सऐप ग्रुप चैट को और ज्यादा इंटरैक्टिव और आसान बनाने की तैयारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,

व्हाट्सऐप एक नए वेलकम मैसेज फीचर की टेस्टिंग कर रहा है, जिसके जरिए किसी भी ग्रुप में नया सदस्य जुड़ते ही उसे आटोमैटिक स्वागत संदेश दिखाई देगा। यह नया फीचर खासतौर पर ग्रुप एडमिन के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। अभी तक किसी नए सदस्य के ग्रुप में जुड़ने पर एडमिन या अन्य सदस्य अलग से वेलकम मैसेज भेजते हैं, लेकिन नए फीचर के आने के बाद यह प्रक्रिया पूरी तरह आटोमैटिक हो जाएगी। इससे बड़े ग्रुप्स को मैनेज करना और भी आसान हो सकता है। आज के समय में व्हाट्सऐप ग्रुप्स सिर्फ दोस्तों और परिवार तक सीमित नहीं रह गए हैं। आफिस, स्कूल, कालेज, बिजनेस और अलग-अलग कम्युनिटी से जुड़े लाखों ग्रुप रोजाना इस्तेमाल किए जाते हैं। ऐसे में नए मेंबर को ग्रुप में सहज महसूस कराने के लिए यह फीचर काफी मददगार माना जा रहा है। नया यूजर जैसे ही ग्रुप में शामिल होगा, वैसे ही उसे एक ग्रीटिंग मैसेज दिखाई देगा, जिससे उसे स्वागत का एहसास होगा और वह जल्दी बातचीत में शामिल हो सकेगा। जानकारी के मुताबिक यह फीचर फिलहाल एंड्रायड बीटा वर्जन में देखा गया है।

पोलैंड के यूरोपीय सांसद डोमिनिक तारचिंस्की का ब्रिटेन सरकार के साथ टकराव

लंदन। पोलैंड के यूरोपीय सांसद डोमिनिक तारचिंस्की इन दिनों ब्रिटेन सरकार के साथ टकराव को लेकर सुर्खियों में हैं।

डोमिनिक तारचिंस्की ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टामर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब ब्रिटिश प्रशासन ने उन्हें लंदन में प्रस्तावित एक राजनीतिक रैली में शामिल होने के लिए ब्रिटेन में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया। डोमिनिक तारचिंस्की ने सार्वजनिक बयान जारी करते हुए कहा कि वह लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रतिनिधि हैं और उन्हें किसी भी लोकतांत्रिक कार्यक्रम में शामिल होने से रोकना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। यूरोपीय संसद के आधिकारिक अभिलेखों के अनुसार डोमिनिक तारचिंस्की वर्ष 2020 से यूरोपीय संसद के सदस्य हैं और पोलैंड की ला एंड जस्टिस पार्टी से जुड़े हुए हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ब्रिटेन सरकार ने कुछ विदेशी दक्षिणपंथी नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रवेश पर रोक लगाई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए लिया गया। वहीं डोमिनिक तारचिंस्की ने इसे राजनीतिक भेदभाव करार दिया है और कहा है कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। इस घटनाक्रम ने यूरोप की राजनीति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सीमा नियंत्रण और राजनीतिक ध्रुवीकरण पर नई बहस छेड़ दी है।

ईरान की मिसाइल, ड्रोन और सैन्य संरचना ताकत 90 फीसदी तक नष्ट

अमेरिका सेना ने सुनवाई में ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का किया बचाव

वाशिंगटन

अमेरिका सेना ने सीनेट में एक सुनवाई के दौरान ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव किया है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट में सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई सांसदों ने बढ़ते आर्थिक और क्षेत्रीय जोखिमों को लेकर चिंता जताई है। इसी बीच अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सामने पेश होते हुए एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने आपरेशन एपिक फ्यूरी का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में सैन्य शक्ति दिखाने की ईरान की क्षमता को कमजोर कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कूपर ने कहा कि ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक औद्योगिक संरचना करीब 90 फीसदी तक नष्ट हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि तेहरान की नौसेना शायद एक पीढ़ी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने अपनी गवाही के दौरान कहा, ईरानी शासन ने क्षेत्र में आतंक फैलाया है और अमेरिका के प्रति शत्रुता को अपने शासन का एक मुख्य सिद्धांत बना लिया है। इसी बीच, रिपब्लिकन सांसदों ने प्रशासन के सैन्य अभियान का जोरदार समर्थन किया। सीनेटर रोजर विकर ने कहा कि ईरान दशकों से आतंकवाद का समर्थन करता रहा है, अमेरिकी हितों पर हमला करता रहा है और परमाणु व बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं का विकास करता रहा है। सीनेटर टाम काटन ने तर्क दिया कि ईरान अब आपरेशन शुरू होने से पहले की तुलना में काफी कम खतरा है। इस पर एडमिरल कूपर सहमत हुए और कहा कि तेहरान अब उस तरह के बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले नहीं कर सकता, जैसे हाल के वर्षों में देखे गए थे। हालांकि, डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति और इस संघर्ष के दीर्घकालिक परिणामों पर लगातार सवाल उठाए। सीनेटर जैक रीड ने कहा कि ईरानी परमाणु मुद्दे का कोई विशुद्ध रूप से सैन्य समाधान नहीं है।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से चाय निर्यात में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग

काठमांडू। भारत द्वारा एक मई से लागू नई स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के बाद नेपाल में चाय उद्योग गंभीर संकट में पड़ गया है। ऐसे में व्यवसायियों ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से इस मुद्दे के समाधान की मांग की है। नई निर्देशिका के अनुसार भारत में प्रवेश करने वाली नेपाली चाय के हर ट्रक और प्रत्येक खेप की अलग-अलग प्रयोगशाला जांच (लैब टेस्ट) अनिवार्य कर दी गई है। व्यवसायियों के अनुसार नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और भारतीय चाय बोर्ड के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद कर अवरोध हटाने का अनुरोध किया है। चाय व्यवसायियों ने अब मांग की है कि इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्तर पर सीधा हस्तक्षेप होना चाहिए। उनका कहना है कि पहले भी ऐसे मामलों में तत्कालीन प्रधानमंत्रियों ने सीधे भारतीय समकक्ष से बात कर समस्या का समाधान कराया था, इसलिए इस बार भी उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद आवश्यक है। व्यवसायियों का कहना है कि नेपाल की प्रमुख निर्यात योग्य कृषि ऊपज के बाजार को बचाने के लिए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तत्काल ठोस और प्रत्यक्ष पहल करनी चाहिए। नेपाल चाय उत्पादक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कड़े नियम के कारण पिछले आधे महीने से निर्यात लगभग बंद है।उनके अनुसार इस दौरान भारतीय खरीदारों ने अपने जोखिम पर बेहद कम मात्रा में केवल दो ट्रक चाय खरीदी है, जिसमें तराई क्षेत्र की लगभग 10-12 टन और पहाड़ी क्षेत्र की 4-5 टन चाय शामिल है। उन्होंने कहा कि चाय का सीजन अभी शुरू ही हुआ है, इसलिए फिलहाल बहुत बड़ा व्यावसायिक नुकसान नहीं हुआ है लेकिन अच्छी बारिश के कारण अगले एक सप्ताह में उत्पादन तेजी से बढ़ेगा। यदि तब तक निर्यात नहीं खुला, तो उद्योगियों और किसानों को भंडारण की कमी के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी तरह नेपाल टी एसोसिएसन के अध्यक्ष कमल मैनाली ने कहा कि भारत के नए नियमों से व्यापारियों का जोखिम अत्यधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि चाय 15 दिनों तक सीमा पर रुकी रहती है, तो उसकी गुणवत्ता खराब होने का खतरा रहता है। साथ ही यदि चाय लैब टेस्ट में फेल हो जाए, तो उसे नष्ट करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। मैनाली ने कहा कि रिपोर्ट आने से पहले चाय बेच नहीं सकते। अगर लैब टेस्ट में चाय फेल हो गई तो उसे नेपाल वापस लाने की भी अनुमति नहीं है।

खतरे में दुनिया: अल नीनो लाएगा सूखा और लू, वैज्ञानिकों की चेतावनी

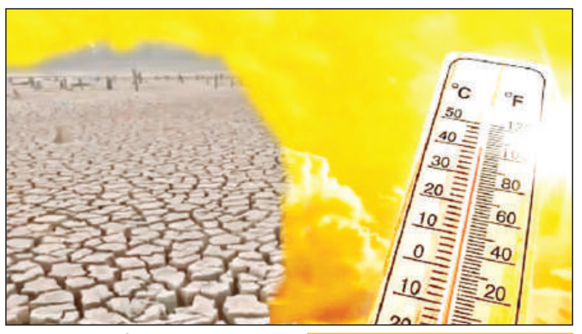

वाशिंगटन

आस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया में गंभीर सूखें की आंशका

दुनिया पर ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे के बीच, वैज्ञानिकों ने गंभीर चेतावनी दी है। उनका अनुमान है कि साल 2026 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक हो सकता है। यह चेतावनी तब आई है जब उत्तरी गोलार्ध गर्मी के मौसम में प्रवेश कर रहा है और संभावित अल नीनो की स्थितियां तैयार हो रही हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लयूएमओ) ने अपनी अप्रैल की रिपोर्ट में बताया था कि भूमध्य रेखा पर प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह तेजी से गर्म हो रही है, जिससे मई से जुलाई के बीच अल नीनो की स्थिति बनने की बहुत संभावना है। हालांकि, अभी भी इसके प्रभावों का सटीक पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है।

मौसम वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान के अनुसार, यदि अल नीनो की स्थिति बनती है, तब इसका वैश्विक मौसम पर गहरा असर पड़ेगा। अमेरिका के दक्षिणी इलाके, दक्षिण अमेरिका महाद्वीप और हार्न आफ अफ्रीका में अधिक नमी और बारिश की संभावना है, जबकि आस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया जैसे देशों को गंभीर सूखे का सामना करना पड़ सकता है। यूरोपीय यूनियन की कापरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा ने इस साल की शुरुआत में ही अटलांटिक और भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों में समुद्र की सतह के असामान्य रूप से गर्म तापमान की सूचना दी है, जिससे यूरोप में असहनीय लू की आशंका बढ़ गई है।

वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रभाव इस स्थिति से और भी तेज हो सकते हैं। इस बढ़ते जलवायु जोखिम के बीच, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के डेप्युटी सेक्रेटरी को बैरेट ने कहा है कि डब्लयूएमओ और संयुक्त राष्ट्र प्रारंभिक चेतावनी पहल को बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में चीन ने विज्ञान-आधारित आपदा निवारण प्रणाली को मजबूत किया है। वहां एआई माडल का उपयोग अत्यधिक बारिश और तूफान के रास्तों के अल्पकालिक पूर्वानुमानों को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। रिमोट सेंसिंग तकनीक बाढ़, सूखे और भूवैज्ञानिक खतरों की लगभग वास्तविक समय में निगरानी में मदद करती है। इसके अलावा, चीनी अधिकारियों ने बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे की विफलता से निपटने के लिए आपातकालीन अभ्यास भी बढ़ाए हैं, जो दुनिया के लिए एक माडल पेश करता है।

चीन से रवाना हुए ट्रंप.........शानदार ट्रेड डील का किया दावा

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपना तीन दिवसीय चीन दौरा संपन्न कर स्वदेश रवाना हो गए। अपनी वापसी से पहले, उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बीजिंग के बेहद सुरक्षित और गोपनीय सत्ता केंद्र माने जाने वाले झोंगनानहाई परिसर में अंतिम दौर की बातचीत की। इस उच्च-स्तरीय मुलाकात के बाद, ट्रम्प ने बड़े आत्मविश्वास के साथ घोषणा की कि चीन के साथ शानदार ट्रेड डील हुई है, जो दोनों महाशक्तियों के रिश्तों के लिए अहम पड़ाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बताया कि इन समझौतों से न केवल अमेरिका को बल्कि चीन को भी भरपूर फायदा होगा। उन्होंने कहा, हम दोनों ने कुछ शानदार समझौते किए हैं, जो दोनों देशों के लिए अच्छे हैं और भविष्य के सहयोग की नींव रखने वाले है। हालांकि, इन महत्वपूर्ण समझौतों के विशिष्ट विवरण या उनकी शर्तों को सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया गया, जिससे उनकी प्रकृति को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

चीन की डेथ वैन है चलती-फिरती फांसी की कोठरी

बीजिंग

दुनिया भर में चीन में मौत की सजा देने का तरीका बहस और विवाद का विषय बना हुआ है। चीन में अब जहरीले इंजेक्शन के जरिए मृत्युदंड दिया जाता है, इससे पहले पारंपरिक फायरिंग स्क्वाड का इस्तेमाल किया जाता था। चीन में अब इसके लिए विशेष डेथ वैन या एग्जीक्यूशन वैन का इस्तेमाल किया जाता है। ये वैन पूरे देश में घूमती हैं और जहां अदालत किसी दोषी को फांसी की सजा सुनाती है, वहां पहुंचकर उसी में सजा को अंजाम दिया जाता है।

बाहर से देखने पर ये वाहन सामान्य पुलिस मिनीबस जैसे दिखाई देते हैं, लेकिन इनके अंदर चलती-फिरती फांसी की कोठरी तैयार की गई होती है। बिना खिड़की वाली इन वैनों में विशेष स्ट्रेचर लगाए जाते हैं, जिन पर दोषी को बांधकर जहरीला इंजेक्शन दिया जाता है। चीन के कई प्रांतों में इन वैनों का इस्तेमाल पिछले दो दशकों से किया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, कैदी को जेल से हल्की बेहोशी की हालत में वैन तक लाया जाता है। इसके बाद उसे स्ट्रेचर पर बांध दिया जाता है और डाक्टर या तकनीशियन नस में इंजेक्शन लगाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं। इंजेक्शन में आमतौर पर बेहोशी, सांस रोकने और दिल की धड़कन बंद करने वाली दवाओं का मिश्रण शामिल होता है। पूरी प्रक्रिया कैमरों और मानिटर के जरिए रिकार्ड की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सजा सरकारी नियमों के अनुसार दी गई है। चीन सरकार का दावा है कि यह तरीका पुराने फायरिंग स्क्वाड की तुलना में अधिक मानवीय और व्यवस्थित है। पहले दोषियों को सिर में गोली मारकर मौत की सजा दी जाती थी, लेकिन इसमें अत्यधिक रक्तपात होता था। इसके बाद जहरीले इंजेक्शन की प्रक्रिया को अपनाया गया। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस व्यवस्था की तीखी आलोचना की है। आरोप लगाए जाते रहे हैं कि कई मामलों में मृत कैदियों के अंग प्रत्यारोपण के लिए निकाल लिए जाते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में दावा किया गया कि दोषियों की आंखें, गुर्दे, यकृत और अन्य अंग अस्पतालों में भेजे जाते हैं। चीन सरकार इन आरोपों को खारिज करते हुए कहती है कि अंग प्रत्यारोपण केवल कानूनी अनुमति और परिवार की सहमति से ही किया जाता है। चीन दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सबसे अधिक मौत की सजाएं दी जाती हैं। यहां दर्जनों अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान मौजूद है। हालांकि सरकार आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक नहीं करती, लेकिन मानवाधिकार संगठन लगातार इस व्यवस्था को लेकर चिंता जताते रहे हैं। डेथ वैन की यह प्रणाली भी दुनिया के लिए रहस्य, भय और विवाद का विषय बनी हुई है।

हमलों से निपटने के लिए यूएई ने तेल टैंकों पर लगाए लोहे के पिंजरे

दुबई

ईरान के लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों को बचाने के लिए सुरक्षा के बड़े और कड़े इंतजाम शुरू कर दिए हैं। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित तेल भंडारण टैंकों के ऊपर भारी-भरकम लोहे के जाल जैसे ढांचे लगाए जा रहे हैं, जिन्हें तकनीकी भाषा में कोप केज कहा जाता है। यह ठीक वही फिजिकल सुरक्षा तकनीक है, जिसका इस्तेमाल रूस ने यूक्रेन युद्ध के दौरान अपने आयल डिपो और सैन्य टैंकों को हवाई हमलों से बचाने के लिए किया था।

सोशल मीडिया पर सामने आईं तस्वीरों के अनुसार, दुबई में कई तेल टैंकों को पूरी तरह से इन लोहे के ढांचों से ढक दिया गया है, जबकि अन्य जगहों पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है। हालांकि इन लोहे के पिंजरों का मकसद सीधे तौर पर बड़े बैलिस्टिक या क्रूज मिसाइल हमलों को रोकना नहीं है, लेकिन ये छोटे और मध्यम स्तर के आत्मघाती ड्रोन हमलों के प्रभाव को काफी हद तक कम कर देते हैं। विशेष रूप से ईरान के खतरनाक शाहेद-136 जैसे ड्रोनों से बचाव के लिए यह तकनीक बेहद कारगर मानी जा रही है, क्योंकि यह मुख्य टारगेट और विस्फोटक हथियार के बीच एक मजबूत सुरक्षा परत बना देती है।

यूएई को यह कदम इसलिए उठाना पड़ा है क्योंकि ईरान के साथ चले हालिया संघर्ष में उसे भारी आर्थिक और बुनियादी नुकसान झेलना पड़ा है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश की एयर डिफेंस प्रणाली ने मुस्तैदी दिखाते हुए 551 बैलिस्टिक मिसाइलें, 29 क्रूज मिसाइलें और 2,265 ड्रोन मार गिराए थे। इसके बावजूद, फुजैराह पोर्ट के तेल भंडारण और हबशन गैस प्लांट जैसे देश के सबसे अहम रणनीतिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा था।

यूएई की ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य केंद्र माना जाने वाला हबशन गैस प्लांट इस हमले के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसे अपनी पूरी क्षमता में वापस आने में अगले साल तक का समय लग सकता है। संघर्षविराम लागू होने के बाद भी यह खतरा पूरी तरह टला नहीं है, क्योंकि हाल ही में 10 मई को भी ईरान की ओर से हमला किया गया था। यही वजह है कि अब दुनिया भर में आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम के साथ-साथ तेल डिपो जैसे संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर को बचाने के लिए जाल, केबल और मेटल कवरिंग जैसे भौतिक सुरक्षा उपायों पर जोर दिया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीके से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधि–कता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्रोत बढेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें । यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा । सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं । आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा । क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा । सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है । कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं । नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले। वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी । आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा । व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा । सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी । धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी । आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा । जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 मई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:43 तक
नक्षत्र : कृतिका दोपहर 02:33 तक
योग : शोभन प्रातः 06:15 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 11:39 तक
चन्द्रराशि : वृषभ तक
सूर्योदय : 05:43 सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक पुरुषोत्तम मास आरंभ , चन्द्रदर्शन

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बयान को गलत तरीके से पेश किया मुझे युवाओं पर गर्व : सीजेआई

नयी दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को अपनी कॉकरोच वाली एक टिप्पणी को लेकर पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने उनकी मौखिक टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया और इसे देश के युवाओं पर हमला बताकर दिखाया।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि उन्होंने युवाओं की आलोचना नहीं की थी, बल्कि उन लोगों की बात की थी जो फर्जी और नकली डिग्री के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश कर जाते हैं। उन्होंने अपने स्पष्टीकरण में कहा, मुझे दुख है कि मीडिया के एक हिस्से ने मेरी मौखिक टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया। मैंने खास तौर पर उन लोगों की आलोचना की थी जो फर्जी डिग्री के जरिए बार यानी कानूनी पेशे में आए हैं। ऐसे लोग मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे सम्मानित पेशों में भी घुस गए हैं और वे परजीवियों की तरह हैं। यह कहना पूरी तरह गलत है कि मैंने देश के युवाओं की आलोचना की।

सीजेआई ने आगे कहा कि उन्हें भारत के युवाओं पर गर्व है और वे उन्हें विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत मानते हैं। उन्होंने कहा, मैं न सिर्फ देश की वर्तमान और भविष्य की मानव संसाधन क्षमता पर गर्व करता हूं, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। भारतीय युवाओं का मेरे प्रति सम्मान है और मैं उन्हें विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।

यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता वकील को फटकार लगाई और कहा कि वह सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने के लिए जरूरत से ज्यादा कोशिश कर रहा है। अदालत ने उसके सोशल मीडिया व्यवहार और फेसबुक पर इस्तेमाल की गई भाषा पर भी सवाल उठाए। बेंच ने कहा था, दुनिया का हर व्यक्ति सीनियर एडवोकेट बनने के योग्य हो सकता है, लेकिन कम से कम आप इसके हकदार नहीं हैं। सीजेआई ने कहा था कि अगर दिल्ली हाई कोर्ट ऐसे व्यक्ति को सीनियर एडवोकेट का दर्जा देता है तो सुप्रीम कोर्ट उसके पेशेवर आचरण को देखते हुए उस फैसले को रद्द कर सकता है। इसी दौरान उन्होंने कहा था, समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप भी उनके साथ जुड़ना चाहते हैं? इसके बाद उन्होंने टिप्पणी की थी कि कुछ युवा 'कॉकरोच' जैसे होते हैं, जिन्हें रोजगार नहीं मिलता और वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।

नीट पेपर लीक के बीच एनटीए में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

नए जॉइंट सेक्रेटरी और जॉइंट डायरेक्टर नियुक्त

नयी दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक विवाद के बीच केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में चार बड़े अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इनमें 2 संयुक्त सचिव और 2 संयुक्त निदेशक शामिल हैं। यह तैनाती डीओपीटी यानी कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने कैबिनेट की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद की है।

एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी वो सरकारी संस्था है जो देश में बड़े–बड़े एंट्रेंस एग्जाम करवाती है। जैसे नीट, जेईई वगैरह। ये संस्था हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के अंडर काम करती है। अब इस संस्था में दो जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

पहली अधिकारी हैं अनुजा बापट। ये 1998 बैच की आईएसएस यानी भारतीय सांख्यिकीय सेवा की अधिकारी हैं। दूसरी अधिकारी हैं रुचिता विज। ये 2004 बैच की आईआरएस यानी भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी) की अधिकारी हैं।

दो अफसरों को एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर पद पर भेजा गया है। यह कार्यभार सिविल सर्विसेज बोर्ड की नियुक्ति पर कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सौंपा है।

पहले हैं आकाश जैन। वो आईआरएस (आईटी) यानी इंडियन रेवेन्यू सर्विस (इनकम टैक्स) के 2013 बैच के अधिकारी हैं। उन्हें लेटरल शिफ्ट यानी एक सरकारी विभाग से दूसरे में भेजने के तरीके से एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है। उनका कार्यकाल 4 दिसंबर 2029 तक होगा।

दूसरे हैं आदित्य राजेंद्र भोजगढिया। वो आईए एवं एएस यानी इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स सर्विस के 2013 बैच के अधिकारी हैं। उन्हें भी लेटरल शिफ्ट पर एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है और उनका कार्यकाल 16 मई 2028 तक होगा। यह कार्यभार सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के तहत की गई है।

अनुजा और रुचिता को एनटीए में ज्वाइंट सेक्रेटरी बनाया गया है। ज्वाइंट सेक्रेटरी सरकार में काफी बड़ा पद होता है। ये उच्च शिक्षा विभाग के अंडर काम करेंगी। दोनों की नियुक्ति 5 साल के लिए की गई है।

ये फैसला अपॉइंटमेंट्स कमेटी ऑफ द कैबिनेट यानी एसीसी ने लिया। एसीसी सरकार की वो सबसे ऊंची समिति होती है जो बड़े अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी देती है। इसमें प्रधानमंत्री की भूमिका होती है।

ये आदेश कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग यानी डीओपीटी ने जारी किया है। इस पर डायरेक्टर एनीस कनमनी जॉय के दस्तखत हैं। ये आदेश उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी को भेजा गया है। साथ ही पीएमओ , गृह मंत्री के दफ्तर, कैबिनेट सचिवालय और कुछ अन्य विभागों को भी इसकी कॉपी दी गई है।

कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा शहर में विराट वर्षावास की तैयारियां

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी के चातुर्मास को लेकर समितियों का गठन

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आगामी ऐतिहासिक वर्षावास की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य कर्नाटक के बेल्लारी पहुंचे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के महामंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल तथा पूर्व मंत्री मुकेश जैन ने बताया कि बेल्लारी पहुंचे शिष्टमंडल ने पहली बार तेलंगाना और हैदराबाद प्रवास पर पधार रहे क्रांतिकारी एवं ओजस्वी प्रवचनकार आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी तथा गणिवर्य पद्मविमलसागरजी सहित श्रमणजनों के दर्शन–वंदन कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

दिलीप श्रीश्रीमाल ने बताया कि जैनाचार्य से महामांगलिक का श्रवण करने के बाद चातुर्मास आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न समितियों के गठन का प्रारूप तैयार किया गया।

इन समितियों में मुख्य संयोजक, संयोजक, सह–संयोजक, मंत्री, सहमंत्री, कोषाध्यक्ष, सह–कोषाध्यक्ष, आवास समिति, आतिथ्य समिति, अनुष्ठान समिति, तपस्या समिति, सेमिनार समिति, वैयावच्च समिति, जनसंपर्क समिति तथा प्रसार–प्रचार समिति शामिल हैं।

वर्षावास समिति के मुख्य संयोजक मोहनलाल बागरेचा ने बताया कि जैनाचार्य अपने शिष्य–प्रशिष्यों के साथ रायचूर होते हुए 17 जून को तेलंगाना राज्य में प्रवेश करेंगे।

समिति के संयोजक सुरेंद्र भंडारी तथा अमृत भोजाणी ने जानकारी दी कि 6 जुलाई को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी एवं सहवर्ती श्रमणवृंद का हैदराबाद शहर की सीमा में मंगलमय आगमन होगा। इस अवसर पर सीमा क्षेत्र में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा।

समिति के सक्रिय सदस्य अशोक बंदामुथा तथा कोषाध्यक्ष बाबूलाल बागरेचा ने बताया कि हैदराबाद के जैन इतिहास में यह वर्षावास यशस्वी, क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी साबित होगा।

उन्होंने कहा कि इस वर्षावास से जैन धर्म के मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी, तपागच्छ, खरतरगच्छ, अचल–गच्छ, त्रिस्तुतिक, चार स्तुतिक, गुजराती एवं कच्छी समाज सहित सभी पंथ–संप्रदायों के श्रद्धालु लाभांवित होंगे।

गौतम बागरेचा और राजेश सोलंकी ने बताया कि वर्षावास की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। धर्मसभा एवं विभिन्न अनुष्ठानों के विराट आयोजन हेतु एग्जिबिशन ग्राउंड में भव्य पंडाल का निर्माण किया जाएगा।

शिष्टमंडल में गौतम श्रीश्रीमाल जोटा, मुकेश पोमाणी, ललित बालड़, आकाश बागरेचा, दिनेश देवड़ाधोका तथा संजय मांडोत भी शामिल थे।

बेल्लारी जैन संघ द्वारा आयोजित धर्मसभा में सभी सदस्यों का सम्मान भी किया गया।

जालना में विराहित सत्य साधना म.सा., महासाची किरण सुधा म.सा, प्रतिभा कंवन म.सा से सुखसाता पूछते हुए संपतराज कोठारी एवं महावीरचंद कटारिया।

पेट्रोल–डीजल की बढ़ी कीमतें तुरंत कम करे केंद्र सरकार : सीपीआई

बांसवाड़ा, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को बांसवाड़ा टाउन सेंटर स्थित सीपीआई कार्यालय में एक प्रेस बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सीपीआई पार्टी के बांसवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी दुबास रामुलु ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र की एनडीए सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार वृद्धि से आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ने की संभावना है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ने से मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को जनता की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई कीमतों में तत्काल कमी करनी चाहिए। दुबास रामुलु ने कहा कि परिवहन लागत बढ़ने से दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम भी प्रभावित होंगे, जिससे बाजार में महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से आम जनता को राहत देने के लिए शीघ्र कदम उठाने की मांग की। प्रेस बैठक में दर्शन मेस्त्री, उमाकांत, सुभाष, शंकर, चिरंजीवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एफकेसीसीआई की 110वीं वर्षगाँठ पर डॉ. सुभाष अग्रवाल सम्मानित

बेंगलूरु, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) के 110 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित 'मेंबर्स डे' के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में बेंगलूरु मध्य से बीजेपी सांसद पीसी. मोहन द्वारा वरिष्ठ उद्योगपति और समाजसेवी डॉ. सुभाष अग्रवाल को उनकी उत्कृष्ट और दीर्घकालिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि मृदु स्वभाव के धनी डॉ. अग्रवाल पिछले 25 वर्षों से भी अधिक समय से इस प्रतिष्ठित फेडरेशन की कार्यकारिणी के एक सक्रिय और महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। संस्था के विकास में उनका योगदान अद्वितीय रहा है, यही नहीं वे विभिन्न कार्यकालों में कई बार चेयरमैन पद की जिम्मेदारी को भी सफलतापूर्वक संभाल चुके हैं।

इस सम्मान समारोह के मंच पर उद्योग जगत से लेकर कला जगत की कई जानी–मानी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. सुभाष अग्रवाल को सम्मान सौंपे जाने के गौरवपूर्ण क्षण के दौरान मंच पर (बाएं से दाएं) मेंबरशिप कमेटी की चेयरमैन श्रीमती उदया रेड्डी, एफकेसीसीआई के उपाध्यक्ष साईराम प्रसाद, सांसद पीसी. मोहन, स्वयं सम्मानित अतिथि डॉ. सुभाष अग्रवाल (पूर्व चेयरमैन, एफकेसीसीआई), एफकेसीसीआई की वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती उमा रेड्डी और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री हेमा प्रभात मौजूद रहीं।

धान उठाव संकट से जूझ रहा मंचेरियाल

मंचेरियाल, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में धान की कटाई और उठाव में देरी के कारण गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेद्दापल्ली और करीमनगर जिलों की चावल मिलों में धान की ढुलाई नहीं हो पाने से हजारों मीट्रिक टन धान खुले में पड़ा हुआ है। किसानों और अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि कटाई के बाद धान को आखिर भेजा कहां जाए। मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र के हाजीपुर, लक्षेट्टीपेट और दांडेपल्ली मंडलों से करीमनगर जिले की मिलों के लिए मशीनों द्वारा लगभग 10 हजार मीट्रिक टन धान की टैगिंग की गई है। फिलहाल मंचेरियाल जिले के केवल तीन मंडलों से ही धान भेजा जा रहा है। दूसरी ओर, पेद्दापल्ली और करीमनगर जिलों की मिलें चेन्नूर और बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित धान उतारने की स्थिति में नहीं हैं। धान खरीद शुरू हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन पेद्दापल्ली जिले में टैग की जाने वाली मिलों की सूची अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इससे मंचेरियाल जिले से पेद्दापल्ली भेजे जाने वाले लगभग 50 हजार मीट्रिक टन धान के भंडारण और परिवहन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। करीमनगर जिले के लिए भी 50 हजार मीट्रिक टन धान टैग किया जाना था, लेकिन अब तक केवल 10 हजार मीट्रिक टन की ही टैगिंग हो सकी है। खेतों से धान निकालने के बाद अधिकारी यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि उसे कहां भेजा जाए और उसका भंडारण कैसे किया जाए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह की सुपुत्री ज्योति सिंह एवं शिव कुमार सिंह के सुपुत्र कुणाल सिंह का रिंग सेरेमनी समारोह गया के स्थानीय होटल जीएम इंटरनेशनल में संपन्न हुआ। इस मांगलिक कार्यक्रम में बिहार सरकार के पुरातत्व एवं कला संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। इसके अलावा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर के सुपुत्र वीरेंद्र ठाकुर एवं उनकी धर्मपत्नी ने भी समारोह में पहुंचकर वर-वधु को अपनी शुभकामनाएं प्रदान कीं। पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार सिंह ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।समारोह में कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद कैफ, प्रखंड अध्यक्ष राम विनय यादव, प्रखंड प्रमुख अनिल पासवान, पंचायत अध्यक्ष रवि प्रकाश सिंह, मुखिया रिभा कुमारी समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। सभी नेताओं ने एक–दूसरे से मुलाकात की और इस शुभ अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

टीचर्स एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने डीजीपी से की शिष्टाचार भेंट

बांसवाड़ा, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद से शनिवार को हैदराबाद स्थित डीजीपी कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान एससी–एसटी टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा दलित कल्याण समिति के जिला महासचिव राम चंद्र गायकवाड़ और निजामाबाद के पत्रकार विकास गायकवाड़ ने डीजीपी सी.वी. आनंद को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें राज्य के डीजीपी का कार्यभार संभालने पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हुई बातचीत में निजामाबाद में पुलिस अधीक्षक के रूप में उनके कार्यकाल की पुरानी यादों को भी साझा किया गया। डीजीपी सी.वी. आनंद ने कहा कि पुलिस विभाग से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसे सीधे उनके संज्ञान में लाया जा सकता है। उन्होंने समाज और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया।

क्यों होते है माला में 108 दाने, रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ क्यों

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हम मंत्र जप के लिए जिस माला का उपयोग करते है, उसमें दानों की संख्या 108 होती है। शास्त्रों में 108 संख्या का अत्यधिक महत्व है। इसके पीछे कई धार्मिक, ज्योतिषिक और वैज्ञानिक मान्यताएं हैं, कि माला में 108 ही दाने क्यों होते हैं। आइए हम यहां जानते है ऐसी ही कुछ मान्यताओ के बारे में और जानेंगे आखिर माला का प्रयोग क्यों करना चाहिए मन्त्र जाप के लिए।

हिन्दू ग्रंथों के अनुसार रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। रुद्राक्ष को महादेव का प्रतीक माना गया है। रुद्राक्ष में सूक्ष्म कीटाणुओं का नाश करने की शक्ति भी होती है और रुद्राक्ष वातावरण में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण करके साधक के शरीर में पहुंचा देता है। रुद्राक्ष से अलग यह माला तुलसी, स्फटिक, मोती या नगों से भी बनी होती है। प्राचीन काल से ही बडे-बडे तपस्वी, साधु-संत इस उपाय को अपनाते रहे हैं।

भगवान की पूजा के लिए कुश का आसन बहुत जरूरी है, इसके बाद दान-पुण्य जरूरी है। जब भी मंत्र जप करें, माला का उपयोग अवश्य करना चाहिए। माला के बिना संख्याहीन किए गए मंत्र जप का भी पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। जो भी व्यक्ति माला की मदद से मंत्र जप करता है, उसकी मनोकामनएं बहुत जल्द पूर्ण होती हैं। मंत्र जप निर्धारित संख्या 108 के अनुसार किए जाए तो सर्व श्रेष्ठ रहता है। शास्त्रों के अनुसार एक पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति दिनभर में जितनी बार सांस लेता है, व्यक्ति के सांस से ही माला के दानों की संख्या 108 का संबंध है। सामान्यत: 24 घंटे में एक व्यक्ति करीब 21600 बार सांस लेता है। दिन के 24 घंटों में से 12 घंटे दैनिक कार्यों में व्यतीत हो जाते हैं और शेष 12 घंटों में व्यक्ति सांस लेता है 10800 बार। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति को हर सांस पर यानी पूजन के लिए निर्धारित समय 12 घंटे में 10800 बार ईश्वर का ध्यान करना चाहिए, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता है। इसीलिए 10800 बार सांस लेने की संख्या से अंतिम दो शून्य हटाकर जप के लिए 108 संख्या निर्धारित की गई है। इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

माला के दानों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रहमांड का प्रतिनिधित्व करती है। ज्योतिष के अनुसार सम्पूर्ण ब्रहमांड को 12 भागों (राशियों) में विभाजित किया गया है। इन 12 भागों (राशियों) के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर,कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत: विचरण ग्रहों की संख्या 9 का गुणा 12 राशियों की संख्या में किया जाए तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। ज्योतिष के अनुसार इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

वैज्ञानिक महत्त्व:

वैज्ञानिकों के अनुसार माला के 108 दाने और सूर्य की कलाओं का गहरा संबंध है। एक वर्ष में सूर्य 216000 कलाएं बदलता है और वर्ष में दो बार अपनी स्थिति भी बदलता है। छह माह उत्तरायण रहता है और छह माह दक्षिणायन। अत: सूर्य छह माह की एक स्थिति में 108000 बार कलाएं बदलता है। इसी संख्या 108000 से अंतिम तीन शून्य हटाकर माला के 108 मोती निर्धारित किए गए हैं। माला का एक-एक दाना सूर्य की एक-एक कला का प्रतीक है। सूर्य ही व्यक्ति को तेजस्वी बनाता है, सूर्य ही एकमात्र साक्षात दिखने वाले देवता हैं, इसी वजह से सूर्य की कलाओं के आधार पर दानों की संख्या 108 निर्धारित की गई है।

षियों के अनुसार

एक अन्य मान्यता के अनुसार ऋषियों ने में माला में 108 दाने रखने के पीछे ज्योतिषी कारण बताया है। शास्त्रों के अनुसार कुल 27 नक्षत्र बताए गए हैं। हर नक्षत्र के 4 चरण होते हैं और 27 नक्षत्रों के कुल चरण 108 ही होते हैं। माला का एक-एक दाना नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्र जप की माला में सबसे ऊपर एक बडा दाना होता है जो कि सुमेरू कहलाता है। सुमेरू से ही जप की संख्या प्रारंभ होती है और यहीं पर खत्म भी। जप का एक चक्र पूर्ण होकर सुमेरू दाने तक पहुंच जाता है तब माला को पलटा लिया जाता है। सुमेरू को कभी भी लांघना नहीं चाहिए। जब भी मंत्र जप पूर्ण करें तो सुमेरू को माथे पर लगाकर नमन करना चाहिए। इससे जप का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

इस तरह के उपाय से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है

लक्ष्मी आगमन के विशेष वास्तु उपचार । वास्तु शास्त्र का आधार प्रकृति है। आकाश, अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी इन पांच तत्वों को वास्तु-शास्त्र में पंचमहाभूत कहा गया है। शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं। वास्तु शास्त्र पकृति के साथ सामंजस्य एवं समरसता रखकर भवन निर्माण के सिद्धांतों का प्रतिपादन करता है। ये सिद्धांत मनुष्य जीवन से गहरे जुडे हैं। सृष्टिकर्ता परमेश्वर पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), प्रकाश, वायु व आकाश को रचकर, उन्हें संतुलित रखकर संसार को नियमपूर्वक चलाते हैं। मननशील विद्वान लोग उन्हें अपने भीतर जानकर संतुलित हो प्रबल प्रशस्त रहते हैं। इन्हीं पांच संतुलित तत्वों से निवास गृह व कार्य गृह आदि का वातावरण तथा वास्तु शुद्ध व संतुलित होता है, तब प्राणी की प्रगति होती है।

गृह निर्माण इस प्रकार का हो कि सूर्य का प्रकाश सब दिशाओं से आए तथा सब प्रकार से ऋतु अनुकूल हो, ताकि परिवार स्वस्थ रहे। राह चलता राहगीर भी अंदर न झांक पाए, न ही गृह में वास करने वाले बाहर वालों को देख पाएं। ऐसे उत्तम गृह में गृहिणी की निज संतान उत्तम ही उत्तम होती है। वास्तु शास्त्र तथा वास्तु कला का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक आधार वेद और उपवेद हैं।

गृह के मुख्य द्वार को गृहमुख माना जाता है। इसका वास्तु शास्त्र में विशेष महत्व है। यह परिवार व गृहस्वामी की शालीनता, समृद्धि व विद्वत्ता दर्शाता है। इसलिए मुख्य द्वार को हमेशा बाकी द्वारों की अपेक्षा बडा व सुसज्जित रखने की प्रथा रही है। पौराणिक भारतीय संस्कृति के अनुसार इसे कलश, नारियल व पुष्प, केले के पत्र या स्वास्तिक आदि से अथवा उनके चित्रों से सुसज्जित करना चाहिए।

शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं।

अथर्ववेद में कहा गया है-
पन्चवाहि वहत्यग्रमेशां प्रष्टयो युक्ता अनु सवहन्त।
अयातमस्य दस्ये नयातं पर नेदियोवर दवीय ॥ 10 /8 ॥

मुख्य द्वार चार भुजाओं की चौखट वाला हो। इसे दहलीज भी कहते हैं। इससे निवास में गंदगी भी कम आती है तथा नकारात्मक ऊर्जाएं प्रवेश नहीं कर पातीं। प्रात: घर का जो भी व्यक्ति मुख्य द्वार खोले, उसे सर्वप्रथम दहलीज पर जल छिडकना चाहिए , ताकि रात में वहां एकत्रित दूषित ऊर्जाएं घुलकर बह जाएं और गृह में प्रवेश न कर पाएं।

गृहिणी को चाहिए कि वह प्रात:

सर्वप्रथम घर की साफ-सफाई करे या कराए। तत्पश्चात स्वयं नहा-धोकर मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर एकदम सामने स्थल पर सामर्थ्य के अनुसार रंगोली बनाए। यह भी नकारात्मक ऊर्जाओं को रोकती है। मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर केसरिया रंग से 9ग9 परिमाण का स्वास्तिक बनाकर लगाएं। मुख्य प्रवेश द्वार को हरे व पीले रंग से रंगना वास्तुसम्मत होता है। खाना बनाना शुरू करने से पहले पाकशाला का साफहोना अति आवश्यक है। रोसोईये को चाहिए कि मंत्र पाठ से ईश्वर को याद करे और कहे कि मेरे हाथ से बना खाना स्वादिष्ट तथा सभी के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक हो। पहली चपाती गाय के, दूसरी पक्षियों के तथा तीसरी कुत्ते के निमित्त बनाए। तदुपरांत परविार का भोजन आदि बनाए।

निवास गृह या कार्यालय में शुद्ध ऊर्जा के संचार हेतुप्रात:

व सायं शंख-ध्वनि करें। गुग्गुल युक्त धूप व अगरवत्ती प्रज्वलित करें तथा क्क का उच्चारण करते हुए समस्त गृह में धूम्र को घुमाएं। प्रात: काल सूर्य को अर्य देकर सूर्य नमस्कार अवश्य करें। यदि परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनकूल रहेगा, तो गृह का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। ध्यान रखें, आईने व झरोखों के शीशों पर धूल नहीं रहे। उन्हें प्रतिदिन साफरखें। गृह की उत्तर दिशा में विभूषक फव्वारा या मछली कुंड रखें। इससे परिवार में समृद्धि की वृद्धि होती है।

मोहिनी के पुत्र हैं भगवान अय्यप्पा

श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया था। उन्होंने यह अवतार तब लिया, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला था। और देवताओं और दानवों में यह वितरित करना था। हालांकि मोहिनी अवतार में श्रीहरि ने छल से देवताओं को अमृत और दानवों को अन्य द्रव्य पिलाया था। पौराणिक मतानुसार दरअसल विष्णु जी के मोहनी रूप को ही अय्यप्पा की मां माना जाता है।

श्रीहरि का मोहिनी रूप काफी आकर्षक था। उन्होंने यह रूप लोककल्याण के लिए लिया था। इस रूप में श्रीहरि एक बहुत सुंदर युवा स्त्री के रूप में प्रकट हुए थे। अग्नि पुराण 3.12 में वर्णित है कि अमृत वितरण के लिए श्रीहरि यानी विष्णु जी द्वारा मोहिनी रूप धारण किया गया। और इसी समय भगवान शिव मोहिनी रूप पर आसक्त होकर स्लखित हो गए थे। किंवदंती है कि जहां शिव स्खलित हुए वह स्थान गंगोत्री था। दरअसल यह तत्व ही अमुल्य पारद तत्व है। गंगाजल के कण-कण में पारद है। हिंदू शास्त्रानुसार यह पारद ही है जो संपूर्ण जगत के सृजन का मूलाधार है क्योंकि यह संसार आदि शक्ति के रज अर्थात गंधक और शिव की वीर्य अर्थात पारद से बना है।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी कहते हैं। धर्मशास्त्रों के अनुसार यह तिथि सब पापों को हरने वाली और उत्तम है । इस दिन जो व्रत रहता है उसके व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल तथा पापों से छुटकारा पा जाते हैं।

इसकी विधि -

जो व्यक्ति मोहिनी एकादशी का व्रत करे, उसे एकदिन पूर्व अर्थात दशमी तिथि की रात्रि से ही व्रत के नियमों का पालन करना चाहिए। व्रत के दिन एकादशी तिथि में व्रती को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और नित्य कर्म कर शुद्ध जल से स्नान करना चाहिए। स्नान के लिये किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल मिलना श्रेष्ठ होता है। अगर यह संभव न हों तो घर में ही जल से स्नान करना चाहिए। स्नान करने के लिये कुश और तिल के लेप का प्रयोग करना चाहिए। स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इस दिन भगवान श्रीविष्णु के साथ-साथ भगवान श्रीराम की पूजा भी की जाती है। व्रत का संकल्प लेने के बाद ही इस व्रत को शुरु किया जाता है। संकल्प लेने के लिये इन दोनों देवों के समक्ष संकल्प लिया जाता है। देवों का पूजन करने के लिये कलश स्थापना कर, उसके ऊपर लाल रंग का वस्त्र बांध कर पहले कलश का पूजन किया जाता है।

इसके बाद इसके ऊपर भगवान कि तस्वीर या प्रतिमा रखें तत्पश्चात भगवान की प्रतिमा को स्नानादि से शुद्ध कर उत्तम वस्त्र पहनाना चाहिए। फिर धूप, दीप से आरती उतारनी चाहिए और मीठे फलों का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद प्रसाद वितरीत कर ब्राहमणों को भोजन तथा दान दक्षिणा देनी चाहिए। रात्रि में भगवान का कीर्तन करते हुए मूर्ति के समीप ही शयन करना चाहिए। इस एकादशी का व्रत रखने वाले को अपना मन साफरखना चाहिए। प्रात: काल सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें। इसके बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु की मूर्ति अथवा तस्वीर के सामने घी का दीपक जलाएं और तुलसी, फल, तिल सहित भगवान की पूजा करें। व्रत रखने वाले को स्वयं तुलसी पत्ता नहीं तोडना चाहिए। किसी के प्रति मन में द्वेष की भावना न लाएं और न ही किसी की निंदा करें। व्रत रखने वाले को पूरे दिन निराहार रहना चाहिए। शाम में पूजा के बाद चाहें तो फलाहार कर सकते हैं। एकादशी के दिन रात्रि जागरण का बडा महत्व है। संभव हो तो रात में जागकर भगवान का भजन कीर्तन करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को ब्राहमण को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

मोहिनी एकादशी व्रत की कथा

भद्रावती नाम की सुंदर नगरी थी। वहां के राजा धृतिमान थे। इनके नगर में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से परिपूर्ण था। वह सदा पुण्य कर्म में ही लगा रहता था। उसके पांच पुत्र थे। इनमें सबसे छोटा धृष्टबुद्धि था। वह पाप कर्मों में अपने पिता का धन लुटाता रहता था। एक दिन वह नगर वधू के गले में बांह डाले चौराहे पर घूमता देखा गया। इससे नाराज होकर पिता ने उसे घर से निकाल दिया तथा बंधु-बांधवों ने भी उसका परित्याग कर दिया। अब वह दिन-रात दु:ख और शोक में डूब कर इधर-उधर भटकने लगा। एक दिन किसी पुण्य के प्रभाव से महर्षि कौण्डिल्य के आश्रम पर जा पहुंचा। वैशाख का महीना था। कौण्डिल्य गंगा में स्नान करके आए थे। धृष्टबुद्धि शोक के भार से पीडित हो मुनिवर कौण्डिल्य के पास गया और हाथ जोडकर बोला, ''ब्राहमण ! द्विजश्रेष्ठ ! मुझ पर दया करके कोई ऐसा व्रत बताएं जिसके पुण्य के प्रभाव से मेरी मुक्ति हो।'

कौण्डिल्य बोले:

वैशाख मास के शुक्लपक्ष में 'मोहिनी' नाम से प्रसिद्ध एकादशी का व्रत करो। इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। धृष्टबुद्धि ने ऋषि की बताई विधि के अनुसार व्रत किया। जिससे वह निष्पाप हो गया और दिव्य देह धारण कर श्री विष्णुधाम को चला गया।

अब रोबोट होंगे 'बायो-बोट'

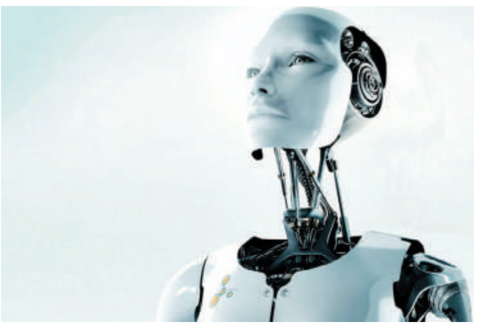

अब वह समय दूर नहीं जब रोबोट्स मानव त्वचा में आना शुरू हो जाएंगे। बायोलॉजिकल रोबोट्स की इस नई पीढ़ी के लिए इंजीनियरों ने कुछ खास सोचा है। वह अब इन्हें मांसपेशियां देने के लिए तैयार हैं। सुनने में थोड़ा अटपटा तो लगता है, लेकिन 'यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस' के शोधकर्ताओं ने ऐसे रोबोट्स वर्ग का प्रदर्शन किया है जो 'बायो-बोट्स' मांसपेशी कोशिकाओं द्वारा संचालित और बिजली के झटकों के द्वारा नियंत्रित किए जा सकेंगे। इन रोबोट्स को 'बायो-बोट्स' के नाम से जाना जाता है। शोधकर्ताओं का समूह जीव विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को एकीकृत करके एक ऐसी जैविक मशीन बनाने में लगे हुए हैं, जो पर्यावरण और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इन बोट्स की खासियत है यह कि वे 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं के बने हैं। इन मांसपेशियों की कोशिकाओं को 'इलेक्ट्रिक पल्स' द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन 'बोट्स' की गति को 'इलेक्ट्रिक पल्स' की फ्रीक्वेंसी को समायोजित करके नियंत्रित किया जा सकता है। ज्यादा फ्रीक्वेंसी पर मांसपेशियां ज्यादा जल्दी सिकुड़ती हैं जिससे 'बायो-बॉट' की रफ्तार भी तेज हो जाती है। इससे पहले, शोधकर्ताओं ने चूहों के दिल की कोशिकाओं का उपयोग करके 'बायो-बोट्स' निर्माण करने की कोशिश की थी। लेकिन चूहों के दिल की कोशिकाओं के लगातार सिकुड़ने के कारण शोधकर्ताओं को उसकी गति पर नियंत्रण प्राप्त करने में असफलता प्राप्त हुई। 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं से शोधकर्ताओं को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। फिलहाल इन रोबोट्स का आकार छोटा होगा और इनका काम शरीर में मौजूद जहरीले पदार्थों के असर को बिल्कुल खत्म करने का होगा। ऐसे 'बोट्स' के निर्माण से यह बात तो स्पष्ट है कि दुनिया भर में वैज्ञानिक ऐसे रोबोट्स बनाने में लगे हुए हैं जो हमारी तरह दिख सकें, हमारे जैसे चल सकें, हमारी तरह बात कर सकें और जो हमारे ही जैसे कार्य कर सकें।

अब ड्रोन से खींचे सेल्फी...

अब तक आपने लोगों को सेल्फी स्टिक से सेल्फी खींचते हुए देखा होगा लेकिन अब सेल्फी स्टिक जल्द ही बीते जमाने की बात हो जाएगी। अब सेल्फी खींचने के लिए ड्रोन का प्रयोग होने लगेगा। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सेल्फी ड्रोन बनाया है। यह सेल्फी ड्रोन बेहतरीन तस्वीरें खींच सकता है और इससे फोटो लेने के लिए आपको अपने हाथ को भी आगे खींचना नहीं पड़ेगा। इस सेल्फी ड्रोन को ऑस्ट्रेलिया की कंपनी आईओटी ग्रुप ने बनाया है। इसका नाम रोम ड्रोन रखा गया है और यह बाजार में आने से पहले बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जून से बेचा जाएगा। कंपनी की सोच एक स्टेरायड से लैस सेल्फी स्टिक बनाने की थी। सेल्फी स्टिक की समस्या यह है कि जितनी लंबी उसकी डंडी होगी, उतनी ही अच्छी तस्वीरें आएंगी। तो विचार यह है कि ऐसी चीज बनाई जाए जो आपके आसपास उड़ कर आपकी तस्वीर खींचे। इसलिए यह ड्रोन बनाया गया है, जो इतना छोटा है कि बैग या जेब में रखा जा सकता है। इसका आकार 600 मिली पानी के बोतल जितना है। सभी को मालूम है कि ड्रोन उड़ते हुए तस्वीरें खींचते हैं। लेकिन यह उनसे अलग इसलिए है कि यह पोर्टेबल है और इसे दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है।

हैरान करने वाली डिवाइसेस...

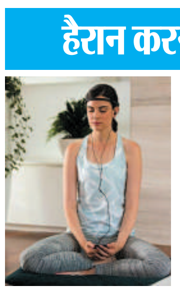

गैजेट की दुनिया में आपको कई ऐसी डिवाइसेस मिलेंगी जिनका प्रयोग देखकर आप हैरान रह जाएंगे। मूज ब्रेन सेंसर भी ऐसा ही अनोखा गैजेट है जो मस्तिष्क के संकेतों को दर्ज करने और ध्यान के समय आपको शांति मिलती है या नहीं, इसका पता लगाता है। मूज ब्रेन सेंसर में अनेक सेंर्स से होते हैं जोकि हैड बैंड से जुड़े होते हैं। यह पुरानी चिंता एवं अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। इसी तरह कार्बन टाइटेनियम एस-1 प्लस ऑटोमैटिक बार टेंडिग मशीन है जिसे आप अपने स्मार्टफोन पर ऐप की मदद से नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप आलस महसूस कर रहे हैं तो आप इस मशीन को केवल एक बटन दबाकर आदेश दे सकते हैं कि वह कॉकटेल तैयार कर दे लेकिन इससे पहले आपको तय करना होगा कि उस जगह पर सारी सामग्री सही हो।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब आप वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिराहने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

पहले वेबसाइट्स आईं, फिर ऐप्स और अब बाट्स का जमाना आने वाला है। तकनीक की दुनिया में इसे सॉफ्टवेयर के लेवल पर बड़े बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह इंसान और मशीन के बीच रिश्ते की शुरुआत है। बॉट्स को वेब रोबॉट भी कहा जाता है। असल में बॉट्स एक खास प्रोग्राम है जो मैसेज का जवाब देता है। यह खास सर्विस के लिए डिजाइन किया जाता है जैसे शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि।

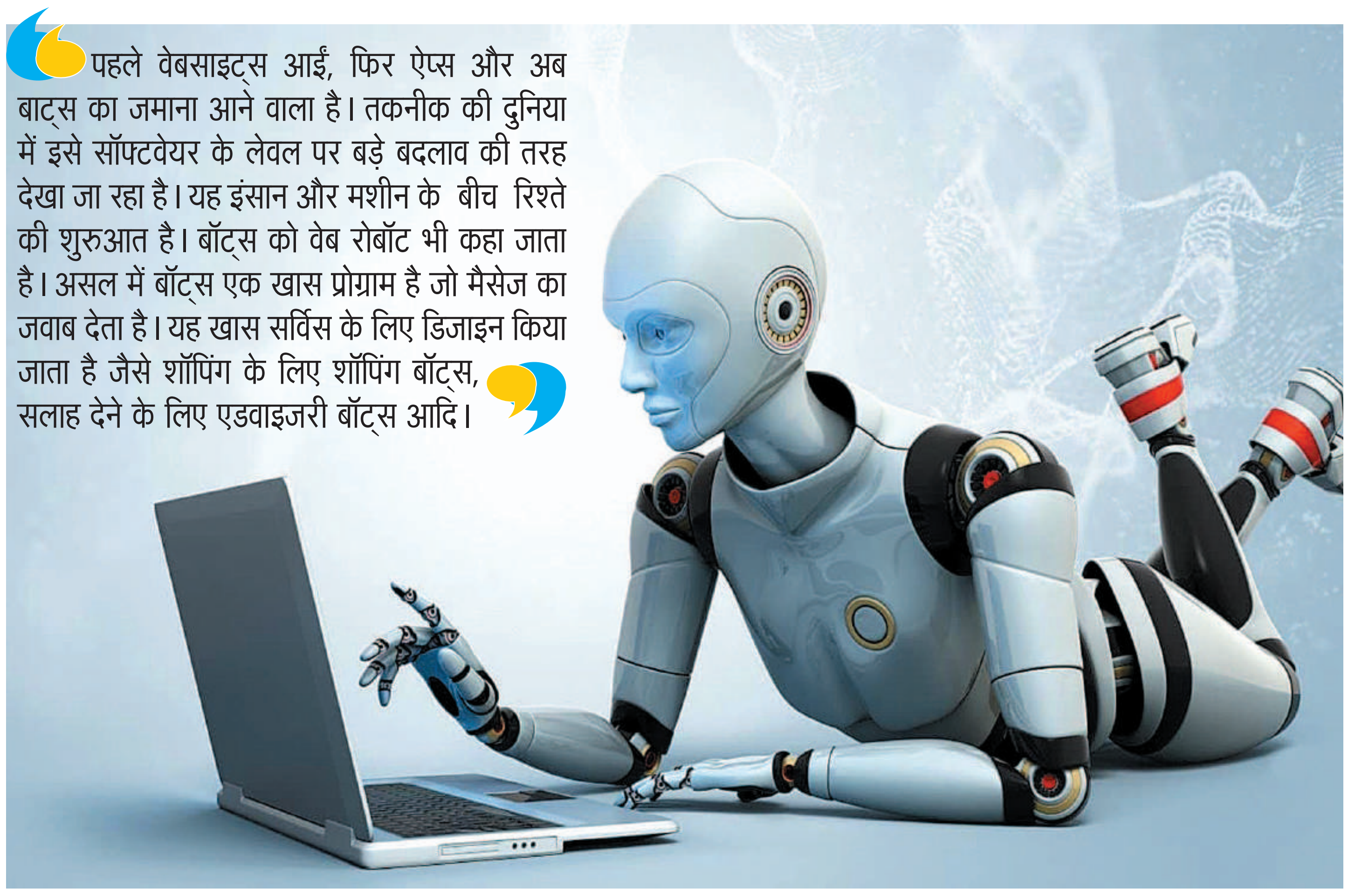

अब बॉट्स का जमाना...

21वीं सदी में चूंकि हर दिन एक नई तकनीक आपके सामने आ रही है इसलिए आपके लिए यह जरूरी हो गया है कि पुरानी तकनीक को छोड़ कर आगे बढ़ें और अपडेटेड रहें। पहले लोगों के लिए वेबसाइट आई, फिर आए मोबाइल ऐप्स लेकिन अब इसके भी आगे की चीज आ गई है जो जल्द ऐप्स की जगह ले सकती है और वो है बॉट्स। जी हां, इसको मनुष्य और मशीन के बीच की एक नई अहम कड़ी माना जा रहा है। साथ ही, यह इंसानों से बात करने और उनकी इच्छा को भापने का एक नया माध्यम बन गया है। अभी आपको कंप्यूटर पर काम करने के लिए कंप्यूटर जैसा बनना पड़ता है लेकिन भविष्य में बॉट्स इंसानों की तरह काम करने को तैयार हैं।

क्या हैं बॉट्स ?

बॉट्स तकनीकी दुनिया की एक नई खोज है जो आपको कंप्यूटर पर अपने तरीके से काम करने की सहूलियत देती है। इन बॉट्स को इंटरनेट के रोबॉट के नाम से जाना जाता है। असल में बॉट्स एक ऐसा नया और खास प्रोग्राम है जिसे मेसेज का जवाब देने के लिए बनाया गया है। ये हर सर्विसेज के लिए अलग बने होते हैं जैसे कि हेल्थ सलाह देने के लिए हेल्थ बॉट्स, वेदर अपडेट के लिए वेदर बॉट्स, शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि। ये बॉट्स सॉफ्टवेयर और एप्स जैसे ही बनते हैं। इन बॉट्स को अपने या कस्टमर के हिसाब से बनाया जा सकता है। इसके लिए सॉफ्टवेयर डेवलपर को अच्छी तकनीकी जानकारी होनी चाहिए। लेकिन कुछ कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने ऐसे प्लेटफॉर्म बना दिए हैं जिससे कोई भी बिना मशक्कत के कोडिंग करके इसे बना सकता है। फिलहाल ऐसी कई कंपनियां हैं जो यह प्लेटफॉर्म लोगों को उपलब्ध करा रही हैं जैसे फेसबुक, स्लैक, किक, गपशप आदि। इस सॉफ्टवेयर का कोडिंग का एक सेट लेआउट होता है जिसे प्रोग्रामर जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज्ड कर सकता है।

क्या जरूरत है बॉट्स की?

फिलहाल लोग मूल रूप से वेबसाइट और ऐप्स के जरिए ही अपनी जरूरतों तक पहुंचते हैं। जहां लोग मैसेजिंग ऐप्स से हर वक्त एक्टिव रहते हैं वहीं कोई चीज ढूंढने या कोई जानकारी लेने के लिए लोगों को दूसरी साइट या ऐप प्ले स्टोर पर जाना पड़ता है। ऐसे में हर कंपनी का मकसद अपने कस्टमर को अच्छी सहूलियत पहुंचाना बन जाता है। कस्टमर की इसी परेशानी का हल बने हैं ये बॉट्स। मिसाल के तौर पर अगर आपको कहीं जाना है और आपको कैब बुक करानी है तो आपको पहले उसकी वेबसाइट पर जाना पड़ेगा और तब बुकिंग करानी पड़ेगी। लेकिन बॉट्स के जरिए आपकी परेशानी का हल निकल जाता है। इससे न तो आपको बार-बार वेबसाइट पर जाना पड़ता है और न ही ऐप को बार-बार क्लिक करना पड़ता है। आप अपनी मैसेजिंग ऐप से ही कैब या कोई भी अन्य काम कर सकते हैं। इस सुविधा के लिए आपको कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा बल्कि बॉट्स बनाने या चलाने का पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ही करेगी।

कहां हो रहा इतेमाल

बॉट्स भले ही हमारे के लिए नए हों परंतु ये बॉट्स कॉरपोरेट लेवल पर कबके इस्तेमाल होना शुरू हो चुके हैं। कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट से लेकर कई और डिपार्टमेंट तक इन बॉट्स का इस्तेमाल हो रहा है। इस बॉट्स का इस्तेमाल कंपनियां एंप्लॉयीज को फीडबैक लेने और देने के लिए कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल कर रही हैं। दुनियाभर में कई ऐसी कंपनियां हैं जो इन बॉट्स को इस्तेमाल करने का मन बना रही हैं।

कैसे बनाए जाते हैं बॉट्स

यह कुछ उसी तरह बनते हैं जैसे वेबसाइट्स और ऐप बनते हैं। कोई भी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर इसको अपनी या कस्टमर की जरुरत के हिसाब से डिजाइन कर सकता है, लेकिन इन्हें बनाने के लिए काफी तकनीकी ज्ञान की जरुरत होती है। कुछ कंपनियो ने इनके प्लेटफॉर्म बना कर इसे काफी हद तक आसान बना दिया है।

आ गए हैं कई बॉट्स

फिलहाल कई मैसेजिंग ऐप्स ऐसी हैं जिन्होंने अपने चैटबॉट्स लॉन्च कर दिए हैं उनमें सब कुछ नाम हैं फेसबुक, स्लैक, टेलेग्राम, हिपचैट और किक। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, पीएनबी मेटलाइफ, फ्लिपकार्ट, ओला और मेरू कैब जैसी कंपनियों ने बॉट्स का इस्तेमाल इन-हाउस ऑपरेशंस के लिए शुरू कर दिया है। अभी कुछ दिनों पहले फेसबुक मैसेंजर पर हेल्थ कंसल्टेंसी लाइब्रेट और ऑटो एग्रीगेटर जुगनू ने अपने बॉट्स लॉन्च किए हैं। लाइब्रेट से यूजर्स हेल्थ से संबंधित और जुगनू से अपना ऑटो बुक आसानी से करा सकता है। यदि चैट करते वक्त आपको भूख लगे तो आप पिज्जा के बॉट्स पर जाकर वैरायटी या रेंज के सवाल पूछ सकते हैं और इसके साथ ही आप आर्डर भी बुक कर सकते हैं और आनलाइन पेमेंट भी कर सकते हैं।

ऐप्स को पीछे छोड़ेंगे

अगर बात करें बॉट्स के रिसपॉन्स की तो अभी ये उतने दमदार नहीं हैं। धीमे चलने वाले ये बॉट्स सवाल का जवाब बहुत जेनरिक या काफी सामान्य देते हैं। कई बार ये सवाल समझने में नाकाम रहते हैं या तो सवाल का सही जवाब नहीं देते हैं। कभी-कभी फनी बॉट्स गालियों का इस्तेमाल चैट में करने लगते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद ये धीरे-धीरे ही सही लेकिन आगे बढ़ रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि आने वाले समय में ये बॉट्स ऐप्प को पीछे छोड़ सकते हैं और हमारी जिंदगी में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसकी क्षमता बढ़ाने और इसे बेहतर बनाने में अभी थोड़ा वक्त और लग सकता है।

कैसे शुरू करना है

इस सर्विस को एक्टिव करना काफी आसान है। फेसबुक मैसेंजर पर लाइब्रेट नाम के चैट बॉट को एक्टिव करके हेल्थ सवालों का जवाब मिल सकता है इसे एक्टिव करने के लिए ऐड का ऑप्शन है।

चेहरे या आवाज को बनाएं पासवर्ड...

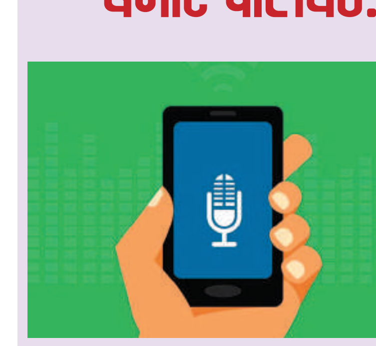

सभी लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट की सिक्योरिटी को लेकर परेशान हैं। सिक्योरिटी के लिए तरह-तरह की कोशिश की जा रही है। कभी पैटर्न लॉक लगाया जाता है, कभी पिन इस्तेमाल किया जाता है तो कभी पासवर्ड लगाकर देखा जाता है। सभी के अपने फायदे हैं। यही सिक्योरिटी आपके लिए तब सिरदर्द बन जाती है, जब हर बार आपको अपने पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक का इस्तेमाल करना होता है ताकि अपने डिवाइस को इस्तेमाल करना पड़ता है। एंड्राइड डिवाइस पर अपने चेहरे को पहचान कर भी ऐसा करना अब संभव है। अगर अपने डिवाइस पर आप ये इनेबल कर देते हैं तो ये पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक की जरूरत ही खत्म हो जाएगी और सिक्योरिटी के लिहाज से ये बहुत सुरक्षित भी होगा क्योंकि आपके जैसा दिखने वाला दुनिया में कोई नहीं है। ऐसा शायद सिर्फ फिल्मों में होता है।

शुरू करना आसान

फेस रिकग्निशन एंड्राइड डिवाइस और क्रोम बुक के स्मार्ट लॉक नाम के फीचर का हिस्सा होता है। इसको शुरू करना बहुत ही आसान है। बस सिक्योरिटी में जाइए और उसके बाद आपको स्मार्ट लॉक दिखाई देगा। इसको देखने के लिए अपने डिवाइस में आपको स्क्रीन लॉक को एक्टिवेट करना होगा। स्मार्ट लॉक का इस्तेमाल करके आप अपने डिवाइस को अलग अलग तरीके से अनलॉक करने के लिए सेटिंग कर सकते हैं। इसे आप किसी भी अपने दूसरे डिवाइस के साथ जोड़ा बना सकते हैं, अपने चेहरे को भी पासवर्ड बना सकते हैं या फिर अपनी आवाज को।

ऐसे लें तस्वीर

एंड्राइड डिवाइस पर जब आप अपने चेहरे को पासवर्ड बना रहे हैं तो अपनी तस्वीर लेते समय रोशनी बढ़िया होनी चाहिए। स्क्रीन पर आपको एक गोल दिखाई देगा जिसके अंदर आपकी तस्वीर होनी चाहिए। एक बार पासवर्ड के लिए अपने चेहरे को आपने सेट कर लिया, उसके बाद बस स्क्रीन को कुछ सेकेंड के लिए देखिए उसके बाद आप स्क्रीन को स्वाइप कर अनलॉक कर सकते हैं।

ढेर सारे ऐप

कुछ एंड्राइड डिवाइस में आपको यह फीचर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर यह फीचर आपको चाहिए तो ये काम करने वाले ढेर सारे ऐप आपको गूगल प्ले स्टोर पर मिल जाएंगे। वैसे ही वॉइस लॉक करने वाले ऐप भी कई मिल जाएंगे।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो

ऐसे होती है हेराफेरी

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सैलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

जिज्ञासा

क्या है सायक्लोन

बच्चो, जब तेज हवाएं चलती हैं, तो आपने देखा होगा कि कई जगह हवा के साथ गोल-गोल घेरे बन जाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इन घेरों को वैज्ञानिक भाषा में क्या कहा जाता है और धरती व पानी में बनने वाले इन चक्रवातों में क्या अंतर है?

अलग-अलग जगहों पर बनने वाले इन घेरों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। असल में हवा जब तूफानी तरीके से घेरा बनाकर चलती है, तो उसे सायक्लोन कहते हैं। यह घेरेदार तूफान अपने बीच पड़ने वाली सारी चीजों को उलट-पलटकर रख देता है। अब सायक्लोन भारत के तटीय प्रदेशों के किनारों से उठने वाले तूफान के लिए उपयोग में लाया जाता है। हरिकेन और टायफून भी इसी तरह के तूफान के लिए प्रयोग में आते हैं बस जगह का अंतर है। फ्लोरिडा के तट से उठने वाला तूफान हरिकेन कहलाता है, जबकि फिलीपीन्स के तट पर आकर यह टायफून हो जाता है। हरिकेन अटलांटिक महासागर से उठता है और टायफून प्रशांत से। हरिकेन और टायफून जलीय तूफान है, जो पानी की सतह से उठते हैं, वहीं दूसरी ओर टोरनेडो जमीन पर उठने वाले तूफान को कहते हैं। वैसे हर तूफान अपने साथ बर्बादी लाता है, फिर भी हरिकेन और टायफून के मुकाबले, टोरनेडो कम बर्बादी मचाता है। अमरीका में टोरनेडो को बोलचाल की भाषा में ट्विस्टर कहते हैं।

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी वि टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्र्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण क़रीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक प्रपात के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं।

पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

सबसे बड़ी पुस्तक

म्यांमार देश में पत्थर से बनी एक विशाल पुस्तक है। यह संगमरमर से बनी हुई है। माली भाषा में लिखी इस पुस्तक में कुल 1460 पन्ने हैं। प्रत्येक पेज की लंबाई 5 फुट, चौड़ाई 3.5 तथा मोटाई आधा फुट है।

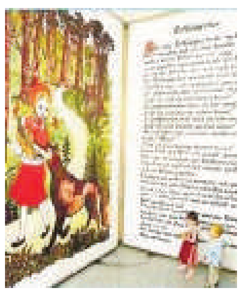

कंप्यूटर की-बोर्ड बनाने वाला

कंप्यूटर कीबोर्ड के अक्षरों की सैटिंग क्वार्टी यानी QWERTY ने की थी। अपने कंप्यूटर कीबोर्ड पर नजर डालिए। अंग्रेजी अक्षरों की पहली पक्ति के पहले छह अक्षर यही हैं।

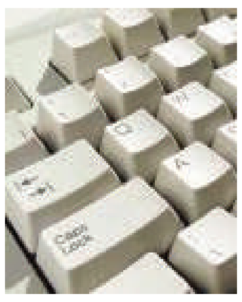

हम बताएं, आप बनाएं

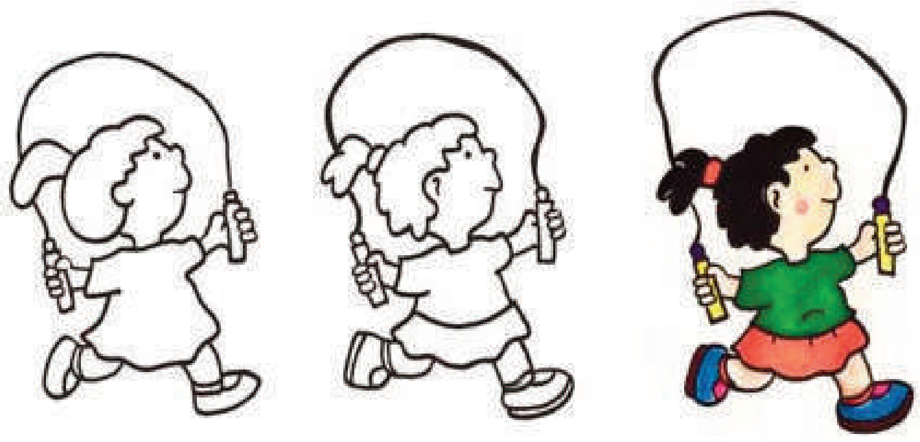

रास्ता ढूंढो

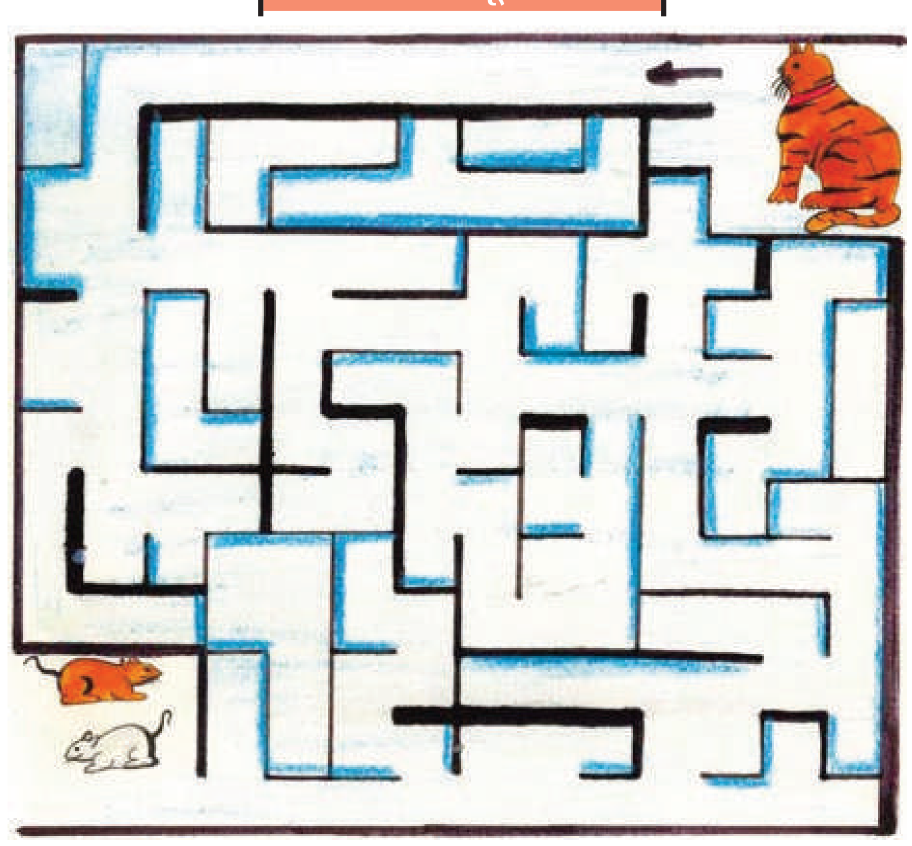

किसने बनाई कुतुबमीनार

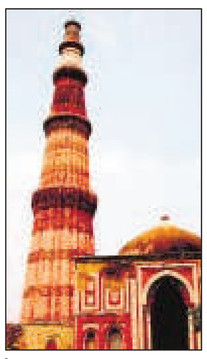

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

लघुकथाएँ

बहुरूपिया

काले भैंसे पर बैठे सजे-धजे यमराज ने मेरे दरवाजे पर जोर से आवाज लगाई, 'खबरदार मैं तुझे लेने आया हूँ। तेरी जान लूँगा।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। अभी मैं स्वस्थ और जवान हूँ।'

वह बोला- 'तेरी माँ को ले जाता हूँ। वह बूढ़ी है?'

मैंने कहा- 'नहीं ले जाने दूँगा। उसे नाती-पोते का ब्याह, देखना है।'

वह बोला- 'तो पाँच सौ का नोट निकाल।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

वो बोला 'चल महीने का आखरी दिन है, पचास का ही नोट दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

फिर बोला- 'ला एक कटोरी देशी घी दे दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। इससे तो अच्छा मेरी जान ही ले लो।'

यमराज बोले- 'जान लेने से मेरा पेट नहीं भरेगा। अच्छा तो एक कटोरी आटा ही दे दे।'

तब मैंने कहा- 'अभी लाता हूँ' और मेरे आटा देते ही वह बहुरूपिया दुआ देकर अगले घर को चला गया।

जीप का प्रचलन कैसे हुआ?

बच्चो, किसी चीज का नाम कैसे पड़ता है, यह जानना अपने आप में बहुत रौचक है। कई ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रचनल बस यूं ही खेल-खेल में हो गया। आज हम आपको ऐसे शब्द के बारे में बताने लगे हैं, जो आपने अक्सर सुना होगा। सुना ही नहीं आपने इसे देखा भी होगा। यह शब्द है'जीप'। युवाओं की यह पसंदीदा सवारी मानी जाती है। यह शब्द कैसे अस्तित्व में आया, आइए जानें-

इसके प्रचलन में आने में कई रोचक बातें शामिल हैं। यह शब्द सबसे पहले अमरीका में प्रयोग किया गया।

जीप यानी ऐसी गाड़ी, जो आज से पहले सबसे अधिक दिखने वाले वाहनों में आती थी और जिसे आज भी लोग तथा सेना में फौजियों और सामान को लाने ले जाने में प्रयोग किया जाता है। मगर फौजियों को ढोने से पहले इसके बारे में कई रोचक बातें भी प्रचलित हुईं। जब यह अजीब-सा बक्सानुमा वाहन अपनी उत्पत्ति के दौर से गुज़र रहा था उसी दौरान यह शब्द 'जीप' अपने नए-नए अर्थों में सामने आ रहा था।

चार पहियों वाली इस आधा टन भारी गाड़ी को अमरीकी फौज के खास उद्देश्य के लिए सितंबर 1940 में तैयार किया गया, लेकिन इस के डिजाइन की तैयारी और इसके नाम की शुरुआत 30 के दशक में ही शुरू हो चुकी थी। वास्तव में इसी तरह की एक गाड़ी का डिजाइन एक टैंक कैप्टेन ने 1932 में तैयार किया था, लेकिन उसने उसका कोई नाम नहीं रखा था। उसके बाद से इस पूरे दशक में इसकी तैयारी में कम से कम तीन विभिन्न निर्माता शामिल रहे। इसी बीच शब्द जीप भी अपने विकास के चरणों से गुजरता रहा। पहले-पहल फौजी शब्दावली में इसका अर्थ 'रंगरूट' लिया गया, फिर इसे एक बेढ़ब और अनुपयुक्त या न फिट होने वाले कोट के अर्थ में लिया जाने लगा, और फिर इसे थोड़े दिनों तक पाइलटों के सहप्रशिक्ष को के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उसी जमाने में 16 मार्च 1936 में 'यूजीन दी जीप' (Eugene the Jeep) का पात्र पोपाइ कॉमिक्स (Popeye Comics) में शामिल किया गया। यह पात्र यूजीन देखने में यूं तो छोटा था, लेकिन वह बहुत शक्तिशाली प्राणी था, जोकि 'जीप जीप' चिल्लाया करता था। शब्द जीप की इस पृष्ठभूमि और इसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग ने फौजी और आम जनता के इस नए वाहन को जीप का नाम दे दिया, जोकि आने वाली नई नस्ल के लिए दुनिया भर में एक ही अर्थ में प्रयोग होने वाला शब्द बन गया। दूसरे विश्व-युद्ध में अमरीकी फौजियों ने जीप और उसके अर्थ को पूरे विश्व में फैला दिया। विश्व-युद्ध के बाद जीप ने सामान्य नागरिक में अपनी पकड़ बनाई और इस डब्बे-नुमा चार पहिया वाहन (जो चारों ओर से खुला हुआ होता था) का सामान्य और जोखिम भरे कार्यों के लिए प्रयोग होने लगा। आज यह गाड़ी बहुत पसंद की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर भारी कामों और दुर्गम रास्तों पर अधिक होता है।

आईपीएल 2026 : पंत ने बताया क्यों नहीं उतरे बल्लेबाजी करने, बोले–ज्यादा सोच टीम को नुकसान पहुंचा सकती है

लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उस समय बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जब टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन विकेट गंवा दिए थे। मैच के बाद पंत ने खुलासा किया कि यह फैसला उन खिलाड़ियों को मौका देने के लिए लिया गया, जिन्हें आईपीएल 2026 में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 12वें ओवर तक बिना विकेट खोए 135 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम ने नौ रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बावजूद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। निकोलस पूरन के बाद अब्दुल समद और मुकुल चौधरी को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। आखिरकार एलएसजी ने सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद पंत ने कहा, मैं बल्लेबाजी के लिए तैयार था, लेकिन टीम मैनेजमेंट की ओर से विचार आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिन्हें इस सीजन में ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं। मैं लगातार सोच रहा था कि मुझे जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि मैं मैदान पर उतरना चाहता था। लेकिन कभी–कभी आपको टीम के सोच और फैसले का सम्मान करना पड़ता है। इस सीजन में पंत ने नंबर–4 से नीचे बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 11 पारियों में सात बार नंबर–3, तीन बार नंबर–4 और एक बार ओपनिंग की है। मैच के दौरान भी वह पैड पहनकर डगआउट में बैठे नजर आए थे। एलएसजी ने इस सीजन में कई बार अपनी ओपनिंग जोड़ी बदली। फिलहाल मिशेल मार्श और जोश इंग्लिस टीम के नियमित ओपनर हैं। एडेन मार्करम ने भी टीम के लिए ओपनिंग की है। टीम ने विदेशी खिलाड़ियों को शीर्ष क्रम में उतारने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन यह लगातार सफल नहीं हो सकी। इंग्लिस लंबे समय तक टीम से बाहर रहे, जबकि मार्करम और निकोलस पूरन भी उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सके।

रणनीति पर बात करते हुए पंत ने कहा, हमारा पहला विचार यही था कि दो विदेशी बल्लेबाज ओपनिंग करें और निकी (निकोलस पूरन) नंबर–3 पर बल्लेबाजी करें। लेकिन कई बार सोच को मैदान पर सही तरीके से लागू करना मुश्किल हो जाता है। हमें अपनी टीम पर भरोसा है, लेकिन निराशा तब होती है जब आपको पता हो कि आपकी टीम में क्षमता है, फिर भी छोटी–छोटी रणनीतिक बातों के कारण आप अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाते।

न्यूज़ ब्रीफ

सैमसन हो सकते हैं भारतीय टी20 टीम के अगले कप्तान : रवि शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय टी20 टीम के अलग कप्तान संजू सैमसन होंगे। शास्त्री के अनुसार अगले दो से तीन साल में आप सैमसन को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करते देखेंगे। शास्त्री का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपने को नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार कर लिया है और वह भविष्य में टीम इंडिया के लिए कप्तानी के बड़े दावेदार के तौर पर उभरेंगे। अभी भारतीय टीम की कप्तान सूर्यकुमार यादव के पास है पर उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। ऐसे में चयनसमिति को भविष्य के लिए नये कप्तान की जरुरत है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने इसी साल टी20 विश्वकप जीत है पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। विश्वकप के बाद सूर्या आईपीएल में भी रन बनाने में असफल रहे। जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ने और 2028 टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए एक नए और दीर्घकालिक कप्तान को पर्याप्त समय देने पर विचार कर रहे हैं। भारतीय टीम को आईपीएल के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड का भी दौरा करना है। इन दौरों के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद चयनकर्ता नए कप्तान का नाम भी ले सकते हैं। इस दौड़ में अभी श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन दो नाम प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं पर श्रेयस अय्यर ने साल 2023 से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि सैमसन ने हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026: प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

बुखारेस्ट। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रा बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरुआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रा रही थीं। यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज़्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुर्बानी देकर आक्रामक खेल दिखाया था। हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड–राबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

इस बार कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा फीफा विश्वकप, बहस के दौरान मुंह नहीं छिपा सकेंगे खिलाड़ी

कोलकाता। 11 जून से अमेरिका कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फीफा विश्वकम में इस बार फुटबाल में नए

नियम अपनाये जाएंगे। इसके तहत अब खिलाड़ी एक दूसरे से बहस के दौरान मुंह नहीं ढक सकेंगे। वहीं ऐसा करने पर उन्हें लाल कार्ड दिखाया जाएगा। यह कदम खिलाड़ियों के बीच मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है। गौरतलब है कि चैम्पियंस लीग के दौरान रियाल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर के मैच के दौरान बेनफिका के जियानलुका प्रेस्टियानी के खिलाफ मुंह ढककर टिप्पणी की थी। जिसपर काफी विवाद हुआ था। इस मामले के सामने आने के बाद फीफा के सामने एक प्रस्ताव आया था। जिसमें इसपर रोक लगाने को कहा था। मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबाल के नियम तय करने वाली संस्था (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसके तहत अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है।

गुजरात ने गंवाया प्लेऑफ टिकट पाने का सीधा मौका कोलकाता ने मारी बाज़ी, टॉप 4 की उम्मीदें बरकरार

कोलकाता: आईपीएल 2026 के 60 वें मैच में गुजरात टाइटंस की टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 29 रन से मात दे दी। इसी के साथ गुजरात की टीम से प्लेऑफ का टिकट सबसे पहले पाने का एक आसान मौका छूट गया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 2 विकेट खोकर 247 रन लगाए थे, जवाब में गुजरात की टीम 20 ओवर के बाद 4 विकेट खोकर 218 रन ही बना पाई। इस जीत के साथ केकेआर की प्लेऑफ उम्मीदें अभी भी जिंदा हैं।

शुभमन गिल की पारी गई बेकार

इस मैच में शुभमन गिल ने गुजरात के लिए 49 गेंद पर 85 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। इतना ही नहीं जोस बटलर ने भी 35 गेंद पर 57 रन की पारी खेली। वहीं ओपनिंग करने आए साई सुदर्शन भी हाफ सेंचुरी लगाकर नाबाद लौटे। लेकिन इन शानदार पारियों के बावजूद भी गुजरात की टीम 248 के स्कोर तक नहीं पहुंच पाई।

कोलकाता ने बनाए 248 रन

इससे पहले केकेआर ने गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 248 रन का टारगेट दिया था। केकेआर को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में फिन एलन और अंगकृष रघुवंशी का अहम योगदान रहा। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर केकेआर को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। कप्तान अजिंक्य रहाणे और फिन एलन के बीच 4.3 ओवरों में 44 रन की साझेदारी हुई। रहाणे 14 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 14 रन बनाकर आउट हुए।

फिन एलेन ने जमकर कूटा

इसके बाद फिन एलेन ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 95 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 139 के स्कोर तक पहुंचाया।

एलेन 35 गेंदों में 93 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 10 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। यहां से अंगकृष ने कैमरून ग्रीन के साथ मोर्चा संभाला।

रघुवंशी और ग्रीन का भी कमाल

रघुवंशी ने 33 गेंदों में अपना 7वां आईपीएल अर्धशतक पूरा किया। अंगकृष ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 108 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 247/2 के स्कोर तक पहुंचाया।

अंगकृष ने 44 गेंदों में 7 छक्कों और 4 चौकों के साथ 82 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि कैमरून ने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 52 रन बनाए। गुजरात टाइटंस की तरफ से मोहम्मद सिराज ने 50 रन देकर 1 विकेट निकाला, जबकि साईं किशोर ने 38 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया।

विराट कोहली का दर्द छलका, बोले हर बार खुद को साबित क्यों करूं

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर अपने भावुक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक पाडकास्ट बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर, टेस्ट क्रिकेट से विदाई और टीम में अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। कोहली के शब्दों में भावनाएं भी थीं और नाराजगी भी। उनके बयान ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है कि क्या भारतीय क्रिकेट अपने सबसे बड़े खिलाड़ियों को सही सम्मान और स्पष्टता दे पा रहा है। कोहली ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी अपना घर, परिवार और निजी जिंदगी छोड़कर पूरी तरह क्रिकेट को समर्पित कर देता है, तो वह सिर्फ इतना चाहता है कि उस पर भरोसा किया जाए। उन्होंने इशारों में कहा कि बार–बार खुद को साबित करने की स्थिति किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल होती है। उनके बयान को टेस्ट क्रिकेट से उनके अचानक संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा है। क्रिकेट फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर चर्चा कर रहे थे कि कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा क्यों कहा और क्या इसके पीछे चयनकर्ताओं या टीम प्रबंधन का दबाव था। पाडकास्ट में कोहली काफी भावुक नजर आए। आमतौर पर मैदान पर आक्रामक अंदाज में दिखने वाले विराट इस बार अंदर से आहत दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी खिलाड़ी को हर बार अपनी अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह स्थिति मानसिक रूप से बेहद थका देने वाली हो जाती है। उनके बयान से यह साफ महसूस हुआ कि वह अपने भविष्य को लेकर स्पष्टता चाहते हैं और अनिश्चितता में नहीं रहना चाहते। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ट क्रिकेट में उनकी भूमिका और प्रदर्शन को लेकर टीम प्रबंधन तथा चयन समिति के भीतर सवाल उठे थे। माना जा रहा है कि इसी कारण उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से दूरी बनाने का फैसला लिया। हालांकि कोहली ने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों में निराशा साफ दिखाई दी। इसके बावजूद विराट ने अपने करियर और मिले अवसरों के लिए भगवान का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के लिए खेलना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि कोहली अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं और उनके अंदर वही जुनून और आग बाकी है, जिसने उन्हें दुनिया के महान बल्लेबाजों में शामिल किया।

आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा की फंडिंग रोकी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए उसकी फंडिंग पर रोक लगा दी है। यह फैसला बोर्ड में लंबे समय से चल रहे गवर्नेंस और प्रशासनिक विवादों के कारण लिया गया है। आईसीसी ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही क्रिकेट कनाडा को संकेत दे दिए थे कि यदि शासन संबंधी मुद्दों का समाधान नहीं हुआ तो अगले छह महीनों तक मिलने वाली वित्तीय सहायता रोक दी जाएगी। अब परिषद ने बिना देरी किए इस फैसले को लागू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फंडिंग रोके जाने के बावजूद क्रिकेट गतिविधियों और हाई परफार्मेंस कार्यक्रमों पर तत्काल असर नहीं पड़ेगा, लेकिन यह क्रिकेट कनाडा के लिए बड़ा आर्थिक झटका माना जा रहा है। कनाडाई क्रिकेट बोर्ड एक एसोसिएट सदस्य के तौर पर आईसीसी से मिलने वाली आर्थिक सहायता पर काफी हद तक निर्भर है। वर्ष 2024 के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार बोर्ड की कुल आय का लगभग 63 प्रतिशत हिस्सा आईसीसी से प्राप्त होता था। क्रिकेट कनाडा को कुल 5.7 मिलियन कनाडाई डालर की आय में से करीब 3.6 मिलियन कनाडाई डालर आईसीसी से मिलते थे, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 25 करोड़ रुपये के बराबर है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी व चेन्नई ने चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का किया ऐलान

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 का लीग चरण अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है और प्लेआफ की जंग लगातार रोमांचक होती जा रही है। जैसे–जैसे मुकाबले आगे बढ़ रहे हैं, टीमों के लिए हर जीत बेहद अहम बनती जा रही है। इस बीच रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने पिछले मुकाबले में सीजन की आठवीं जीत दर्ज कर प्लेआफ में जगह लगभग पक्की कर ली है। टीम फिलहाल अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। दूसरी ओर चेन्नई सुपर किंग्स छह जीत के साथ पांचवें स्थान पर मौजूद है और प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। अपने आगामी मुकाबलों से पहले दोनों टीमों ने चोटिल खिलाड़ियों के स्थान पर नए खिलाड़ियों को शामिल करने का फैसला किया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने तेज गेंदबाज खलील अहमद की जगह घरेलू क्रिकेटर और मीडियम पेसर कुलदीप यादव को टीम में शामिल किया है। वहीं रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने श्रीलंकाई तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की जगह इंग्लैंड के अनुभवी पेसर रिचर्ड ग्लीसन को साइन किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक खलील अहमद और नुवान तुषारा दोनों चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने कुलदीप यादव को 30 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा है। कुलदीप इससे पहले साल 2021 में राजस्थान रायल्स के लिए आईपीएल में पदार्पण कर चुके हैं। हालांकि अब तक उन्हें आईपीएल में ज्यादा मौके नहीं मिले हैं और उन्होंने कुल तीन मैच ही खेले हैं। चेन्नई प्रबंधन को उम्मीद है कि वह टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। दूसरी तरफ रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रिचर्ड ग्लीसन को 1.6 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। 38 वर्षीय ग्लीसन इंग्लैंड के लिए छह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं और नौ विकेट अपने नाम कर चुके हैं। ग्लीसन को टी20 क्रिकेट का काफी अनुभव हासिल है और वह डेथ ओवरों में अपनी सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। रिचर्ड ग्लीसन इससे पहले आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2025 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में उन्हें भारतीय परिस्थितियों का अच्छा अनुभव है। आईपीएल 2026 के निर्णायक दौर में दोनों टीमों को अपने नए खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी, क्योंकि प्लेआफ की दौड़ अब बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुकी है।

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार भारतीय महिला हाकी टीम : सलीमा टेटे

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने आस्ट्रेलिया दौरे से पहले कहा है कि टीम किसी भी तरह के दबाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में टीम का प्रशिक्षण शिविर बेहद मेहनत और अनुशासन के साथ चल रहा है।

अर्जेंटीना दौरे में मिले अनुभव को सकारात्मक बताते हुए सलीमा ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

सलीमा टेटे ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, आस्ट्रेलिया एक मजबूत टीम है और उनके खिलाफ खेलने से हमें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा। हम इस दौरे को लेकर काफी उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम में नई प्रतिभाओं को लगातार अवसर दिए जा रहे हैं और वे अच्छा प्रदर्शन भी कर रही हैं। कप्तान के अनुसार टीम का संतुलन और भविष्य दोनों मजबूत दिखाई दे रहे हैं।

फिटनेस को टीम की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए सलीमा ने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहा है। किसी भी मजबूत टीम को हराने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी होती है। जूनियर खिलाड़ी भी अपनी फिटनेस सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं। हमने विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है।

उन्होंने अर्जेंटीना दौरे को टीम के लिए महत्वपूर्ण अनुभव बताते हुए कहा कि वहां शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और टीम संयोजन को बेहतर समझने का मौका मिला।

सलीमा ने कहा, अर्जेंटीना में पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहां का अनुभव आस्ट्रेलिया दौरे, नेशंस कप, विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में काफी मदद करेगा। हमारा फोकस फिलहाल आस्ट्रेलिया दौरे पर है और हम वहां भी वही लय बरकरार रखना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम अनुशासित होकर अपनी रणनीति के अनुसार खेलना चाहते हैं। हर खिलाड़ी को अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करना होगा ताकि टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। दबाव जरूर रहेगा, लेकिन हम उसे संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारतीय महिला हाकी टीम 21 मई से 3 जून तक आस्ट्रेलिया दौरे पर रहेगी। इस दौरान टीम पर्थ हाकी स्टेडियम में 26 मई से 30 मई के बीच आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी। यह दौरा न्यूजीलैंड के आकलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच महिला नेशंस कप की तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

भारत में बेरोजगारी दर छह माह के उच्च स्तर पर : अप्रैल में 5.2 फीसदी तक पहुंची, शहरों में मामूली सुधार

नई दिल्ली

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अप्रैल में बढ़कर 5.2 फीसदी हो गई। यह पिछले छह महीनों का उच्चतम स्तर है। मार्च में यह दर 5.1 फीसदी थी। इससे पहले अक्तूबर, 2025 में बेरोजगारी दर 5.2 फीसदी दर्ज की गई थी।

केंद्र सरकार के सर्वे में 3.74 लाख+ लोग शामिल – सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर मार्च के 6.8 फीसदी से घटकर अप्रैल में 6.6 फीसदी रह गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.3 फीसदी से बढ़कर 4.6 फीसदी हो गई। देशभर में यह सर्वे 3,74,243 लोगों से जुटाई गई जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है।

महिलाओं की बेरोजगारी – पुरुषों में बेरोजगारी अप्रैल में 5.1 फीसदी रही, जो मार्च में 5 फीसदी थी। ग्रामीण पुरुष बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी से बढ़कर 4.7 फीसदी हो गई, जबकि शहरों में यह 6.1 फीसदी से घटकर 5.9 फीसदी पर आ गई। महिलाओं की बेरोजगारी मार्च के 5.3 फीसदी से बढ़कर 5.4 फीसदी हो गई।

डब्ल्यूपीआर यानी कार्यरत आबादी का अनुपात – ग्रामीण महिलाओं की बेरोजगारी बढ़कर 4.4 फीसदी हो गई, जबकि शहरी महिला बेरोजगारी दर घटकर 8.5 फीसदी रही। यह पिछले वर्ष अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर है। वीमेन पार्टिसिपेशन रेशियो (डब्ल्यूपीआर) यानी कार्यरत आबादी का अनुपात अप्रैल में 52.2 फीसदी रहा, जो मार्च में 52.6 फीसदी था। शहरी क्षेत्रों में यह 46.8 फीसदी पर स्थिर रहा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में घटकर 54.9 फीसदी हो गया।

महिला श्रम बल भागीदारी में कमी – श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) अप्रैल में घटकर 55 फीसदी रही, जबकि मार्च में 55.4 फीसदी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 57.5 फीसदी एवं शहरी क्षेत्रों में 50.1 फीसदी दर्ज की गई। अप्रैल, 2026 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर कम होकर 33.9 फीसदी रही, जबकि मार्च में यह 34.4 फीसदी थी। ग्रामीण महिलाओं का एलएफपीआर 38.2 फीसदी और शहरी महिलाओं का 25 फीसदी दर्ज किया गया।

न्यूज ब्रीफ

नई सेल्टास को लेकर ग्राहकों के बीच चर्चा तेज

नई दिल्ली। किआ कंपनी की नई सेल्टास को लेकर ग्राहकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। अब हाइब्रिड वर्जन की खबर ने इसकी चर्चा और बढ़ा दी है। हाल ही में इस एसयूवी का फुली कैमोफ्लाज्ड माडल टेस्टिंग के दौरान सड़कों पर देखा गया, जिसके बाद माना जा रहा है कि कंपनी जल्द ही इसका आधिकारिक खुलासा कर सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार नई सेल्टास हाइब्रिड में डिजाइन के स्तर पर ज्यादा बदलाव नहीं किए जाएंगे। स्पाई तस्वीरों में इसमें फेसलिफ्टेड माडल जैसी कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स दिखाई दी हैं। इसके अलावा फ्लश टाइप डोर हैंडल और नए अलाय व्हील्स भी देखने को मिले हैं। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी मुख्य बदलाव इंजन और मैकेनिकल सेटअप में करने जा रही है। माना जा रहा है कि कंपनी इसमें नया 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दे सकती है, जो एटकिंसन-साइकिल तकनीक पर आधारित होगा। इसके साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और छोटी बैटरी पैक भी जोड़ी जाएगी। यह हाइब्रिड सेटअप करीब 155 बीएचपी की ताकत और 265 एनएम टार्क जनरेट कर सकता है। यह पावर मौजूदा टर्बो पेट्रोल इंजन के लगभग बराबर मानी जा रही है। कंपनी नई सेल्टास के साथ दो नए टाप-एंड ट्रिम भी लाने की तैयारी में है। इनमें जीटीएक्स प्लस और एक्स-लाइन (ओ) शामिल होंगे। इन वेरिएंट्स में ज्यादा प्रीमियम फीचर्स और बेहतर टेक्नोलाजी मिलने की उम्मीद है। बेहतर माइलेज, दमदार परफार्मेंस और आधुनिक फीचर्स के चलते यह एसयूवी लान्च के बाद मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बड़ा मुकाबला पैदा कर सकती है। किआ इंडिया अपनी एसयूवी लाइनअप को लगातार मजबूत कर रही है और सेल्टास का हाइब्रिड वर्जन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

टाटा सिएरा ईवी को जल्द लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा को जल्द लान्च करने की तैयारी कर रही है। ग्राहकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह एसयूवी जून 2026 के आखिर तक बिक्री के लिए उपलब्ध हो सकती है। नई सिएरा ईवी को कंपनी अपने एक्टिव.ईवी+ स्केटबोर्ड प्लेटफार्म पर तैयार कर रही है। यह माड्यूलर प्लेटफार्म इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन दोनों तकनीकों को सपोर्ट करता है। डिजाइन की बात करें तो इसमें बंद फ्रंट ग्रिल, स्प्लिट हेडलाइट्स, एलईडी डीआरएल, फ्लश डोर हैंडल और कनेक्टेड एलईडी लाइट बार जैसे आधुनिक फीचर्स देखने को मिलेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी इसे 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश कर सकती है। बड़ी बैटरी वाला माडल एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम होगा। इसके अलावा सभी वेरिएंट में फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इंटीरियर में सिएरा ईवी को बेहद प्रीमियम बनाया गया है। इसमें 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और पैसेंजर के लिए अलग डिस्प्ले दिया जा सकता है।

[redacted]

अधिक मास में साबूदाना-फरियाली उत्पादों की मांग डेढ़ गुना तक बढ़ने के है आसार

आवक घटने से कीमतों में उछाल संभव, साबु ट्रेड ने की निर्बाध आपूर्ति की पुख्ता तैयारी

सेलम/इंदौर

आगामी 17 मई से प्रारंभ हो रहे पवित्र पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के दौरान व्रत-उपवास की फलाहारी वस्तुओं की मांग में भारी उछाल आने का अनुमान है। साबु ट्रेड के अनुसार, इस वर्ष साबूदाना, मोरधन, मखाना और फरियाली आटे जैसी वस्तुओं की खपत पिछले वर्षों के मुकाबले करीब डेढ़ गुना तक बढ़ सकती है। हालांकि, कच्चे माल की कमी के चलते इनके दामों में तेजी देखी जा सकती है, लेकिन बाजार में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है।

साबु ट्रेड के संस्थापक चेयरमैन गोपाल साबु ने बताया कि वर्तमान में कसावा कंद का सीजन समापन की ओर है, जिसके कारण साबूदाने की आवक काफी कमजोर पड़ गई है। मांग और आपूर्ति के इस अंतर को देखते हुए उन्होंने देश भर के वितरकों और स्टाकिस्टों से पर्याप्त स्टाक बनाए रखने का आग्रह किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अधिक मास उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत आस्था का समय है, अतः हमारा दायित्व है कि उन्हें शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद आसानी से मिलते रहें। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कंपनी निर्बाध आपूर्ति शृंखला बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर चर्चा करते हुए गोपाल साबु ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में तनाव और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण खाद्य पदार्थों की उत्पादन लागत बढ़ी है। चीन के प्रापर्टी संकट और बदलती व्यापार नीतियों ने भी वैश्विक विकास की रफ्तार धीमी की है, जिसका आंशिक प्रभाव भारतीय बाजारों पर भी संभव है। इसके बावजूद साबु ट्रेड अपने चार दशकों के अनुभव और विश्वसनीयता के साथ गुणवत्ता से समझौता किए बिना निरंतर आपूर्ति के लिए संकल्पित है।

तमिलनाडु के सेलम से संचालित साबु ट्रेड पिछले 40 वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का अग्रणी उत्पादक और निर्यातक रहा है। कंपनी के विभिन्न ब्रांड्स ने देशभर के उपभोक्ताओं के बीच गहरा विश्वास अर्जित किया है। इसमें सच्चासाबु ब्रांड के अंतर्गत एगमार्क साबूदाना, पापड़ और न्यूट्रीदाना जैसे उत्पाद आते हैं, जबकि अल्पाहार ब्रांड एगमार्क हल्दी, नारियल बुरादा, मखाना और मोरधन के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, कुकरीजाकी ब्रांड के माध्यम से कंपनी पौष्टिक मिलेट्स और पारंपरिक खिचीया पापड़ की विस्तृत श्रृंखला पेश करती है। इन सभी उत्पादों की शुद्धता और स्वाद ने इन्हें भारतीय परिवारों का प्रिय बनाया है।

सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल होगा 22 को पेश

नई दिल्ली। होंडा की अपने लोकप्रिय सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल 22 मई को लान्च करने की तैयारी है। इस औपचारिक लान्च से पहले ही कार की तस्वीरें आनलाइन लीक हो गई हैं। तस्वीरों में होंडा सिटी का नया और ताजा फ्रंट डिजाइन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसमें शार्प एलईडी हेडलाइट्स, एक पुनः डिजाइन की गई ग्रिल, अपडेटेड बंपर और नए आकर्षक अलाय व्हील्स शामिल हैं, जो कार को एक अधिक आधुनिक और स्पोर्टी लुक प्रदान करते हैं। यह बदलाव सिटी को अपने प्रतिस्पर्धियों के सामने और भी आकर्षक बना देगा। कार के इंटीरियर में भी बड़े बदलावों की उम्मीद है, रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें एक बड़ी फ्री-स्टैंडिंग इंफोटेनमेंट स्क्रीन, आरामदायक वेंटिलेटेड सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट और एक 360 डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए जा सकते हैं। ये फीचर्स न केवल ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाएंगे बल्कि यात्रियों के लिए भी सुविधा और लक्जरी प्रदान करेंगे। इंजन के मोर्चे पर, कंपनी कार में मौजूदा विश्वसनीय 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और हाइब्रिड इंजन विकल्प को बरकरार रख सकती है। यह इंजन 121 हार्सपावर तक की ताकत उत्पन्न करता है, जो बेहतरीन प्रदर्शन और ईंधन दक्षता का संतुलन प्रदान करता है। फेसलिफ्ट माडल की कीमत मौजूदा संस्करण से थोड़ी अधिक होने की संभावना है, जो नए फीचर्स और डिजाइन अपडेट को ध्यान में रखते हुए उचित लगती है।

कई नई बाइक लान्च करने की योजना बना रही रायल एनफील्ड

नई दिल्ली

बाइक निर्माता रायल एनफील्ड कंपनी 650 सीसी और 750 सीसी प्लेटफार्म पर कई नई मोटरसाइकिलें लान्च करने की योजना बना रही है। रायल एनफील्ड अब इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में भी तेजी से कदम बढ़ा रही है। कंपनी सबसे पहले नए 750 सीसी प्लेटफार्म पर आधारित हिमालयन 750 लान्च कर सकती है।

इसके अलावा बड़ी कान्टिनेंटल जीटी पर भी काम चल रहा है। हालांकि मौजूदा 650 सीसी कान्टिनेंटल जीटी की बिक्री जारी रहेगी। नया प्लेटफार्म कंपनी की सबसे प्रीमियम और पावरफुल मोटरसाइकिल लाइनअप माना जा रहा है। वहीं क्लासिक लुक पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए बुलेट 650 भी जल्द बाजार में दस्तक दे सकती है। इसमें 648 सीसी इंजन मिलेगा, जो लगभग 47 बीएचपी की ताकत देगा। बाइक में 6-स्पीड गियरबाक्स और स्लिपर क्लच जैसे आधुनिक फीचर्स भी होंगे। एडवेंचर बाइक पसंद करने वालों के लिए कंपनी हिमालयन 440 भी लाने की तैयारी कर रही है। इसे अपेक्षाकृत किफायती कीमत पर पेश किया जा सकता है, ताकि ज्यादा ग्राहक एडवेंचर बाइकिंग का अनुभव ले सकें। रायल एनफील्ड इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी बड़ा दांव खेलने जा रही है। कंपनी फ्लाइंग फ्ली सी6 के बाद अब नई इलेक्ट्रिक स्क्रैम्बलर बाइक एस6 लाने की तैयारी में है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक हिमालयन पर भी तेजी से काम चल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 और 2027 रायल एनफील्ड के लिए बेहद अहम साल साबित हो सकते हैं, क्योंकि कंपनी हर तरह के ग्राहकों के लिए नए माडल और तकनीक पेश करने जा रही है।

पेट्रोल के निर्यात पर 3 प्रति लीटर टैक्स लगा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों के लिए नियमों में बदलाव किया है। सरकार ने पेट्रोल एक्सपोर्ट पर 3 प्रति लीटर का विंडफाल टैक्स लगा दिया है। डीजल और जेट फ्यूल पर टैक्स घटाया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं। भारत में तेल की कमी न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है।

टीवीएस रेडर, स्प्लेंडर और पल्सर को दे रही कड़ी टक्कर

नई दिल्ली

भारतीय दोपहिया बाजार में टीवीएस मोटर की लोकप्रिय मोटरसाइकिल टीवीएस रेडर 125 ने एक बड़ी और प्रभावशाली उपलब्धि हासिल की है। अब तक इस स्पोर्टी बाइक की कुल बिक्री 19 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है। मार्च 2026 तक, इसकी घरेलू और निर्यात बिक्री को मिलाकर कुल 19,07,277 यूनिट्स दर्ज की गई हैं। टीवीएस रेडर को सितंबर 2021 में लान्च किया गया था, और इतने कम समय में यह 125 सीसी सेगमेंट की सबसे तेजी से बढ़ने वाली और सबसे लोकप्रिय मोटरसाइकिलों में से एक बन गई है।

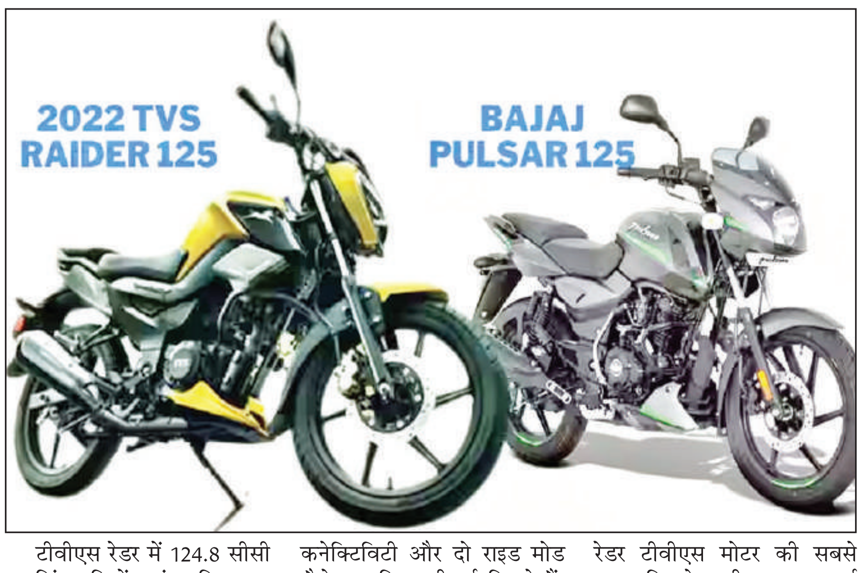

टीवीएस रेडर में 124.8 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 11.2 बीएचपी की ताकत और 11.2 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है, जो शहरी और इंटरसिटी यात्रा के लिए पर्याप्त शक्ति और दक्षता प्रदान करता है। बाइक में एलईडी हेडलाइट, पूरी तरह से डिजिटल डिस्प्ले, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और दो राइड मोड जैसे आधुनिक फीचर्स मिलते हैं, जो इसे युवाओं के बीच खास पसंद बनाते हैं। कंपनी का कहना है कि इसका आकर्षक और स्पोर्टी डिजाइन, साथ ही अत्याधुनिक तकनीक, विशेष रूप से युवा ग्राहकों को काफी आकर्षित कर रही है। वित्त वर्ष 2024 में, टीवीएस रेडर टीवीएस मोटर की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक बन गई थी, जो इसकी बाजार में मजबूत पकड़ का प्रमाण है। भारतीय बाजार में, टीवीएस रेडर का सीधा मुकाबला हीरो स्प्लेंडर, बजाज पल्सर और होंडा शाइन जैसी इस सेगमेंट की अन्य लोकप्रिय बाइकों से होता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिंडी पुत्र...

उन्होंने कहा, कानून और न्यायपालिका के प्रति अत्यंत सम्मान रखते हुए, आज मेरा बेटा बंडी भागीरथ हमारे अधिवक्ताओं (वकीलों) के माध्यम से जांच के लिए तेलंगाना पुलिस के समक्ष उपस्थित हुआ। मैंने पहले भी यह कहा है, चाहे वह मेरा अपना बेटा हो या कोई आम नागरिक, कानून के सामने हर कोई बराबर है।

उन्होंने आगे कहा, मेरा बेटा लगातार इस बात पर कायम है कि उसने कोई गलती नहीं की है। कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने और हमारे पास उपलब्ध साक्ष्यों को उनके सामने रखने के बाद, हमें सलाह दी गई थी कि इस मामले को कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से उचित रूप से निपटाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने अपने पोस्ट में यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि अदालत की कार्यवाही चल रही है और अगले सप्ताह आदेश आने की उम्मीद है, फिर भी हमारी कानूनी टीम की सलाह के बावजूद मुझे लगा कि हमारी तरफ से जांच में सहयोग करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन अंधेर नहीं।

गौरतलब है कि आरोपी बंडी भागीरथ ने भी पुलिस में जवाबी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि युवती और उसके परिवार ने उस पर विवाह का दबाव बनाया और मना करने पर झूठे आरोप लगाने की धमकी दी।आरोपी ने यह भी दावा किया कि दबाव के चलते उसने 50 हजार रुपये दिए थे और बाद में उससे 5 करोड़ रुपये की मांग की गई।

के. कविता ने मंत्री को हटाने की मांग की

मामले को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। के. कविता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर केंद्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग की है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके।

365 दिन...

फैसले का मुख्य आधार: वैज्ञानिक सर्वेक्षण और ऐतिहासिक साहित्य

एएसआई ने अपने आदेश में साफ किया है कि हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक साहित्य और हाल ही में किए गए 98 दिनों के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आधार पर यह पाया है कि यह स्थान मूल रूप से परमार वंश के राजा भोज द्वारा स्थापित संस्कृत शिक्षा, व्याकरण और साहित्य का एक महान वैश्विक केंद्र था। यहां की वास्तुकला और खंभे पूरी तरह से देवी सरस्वती को समर्पित एक भव्य मंदिर के होने की पुष्टि करते हैं।

इस आदेश के जारी होने के बाद धार जिले में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। हिंदू पक्षकारों में इस 365 दिन पूजा और नाम बदलने के फैसले को लेकर भारी उत्साह है, वहीं कानूनी विशेषज्ञ इसे देश की सांस्कृतिक न्याय प्रणाली में एक बहुत बडी नजीर बनने वाला कदम मान रहे हैं।

100 साल बाद ...

ये चोलों की महानता को भी दर्शाते हैं। हम भारतीय चोलों, उनकी संस्कृति और उनकी समुद्री ताकत पर बेहद गर्व करते हैं। मैं नीदरलैंड सरकार और विशेष रूप से लीडेन विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करता हूं, जहां ये ताम्र-पत्र 19वीं सदी के मध्य से संभालकर रखा गया था।ये तांबे की प्लेटें एक सौ साल से ज्यादा समय तक डच प्रशासन के पास रहीं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नीदरलैंड एक विश्वसनीय, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऊर्जा सुरक्षा से लेकर जल संरक्षण तक, नीदरलैंड और भारत मिलकर काम कर रहे हैं। हरित हाइड्रोजन पर हमारा सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता भारत और नीदरलैंड के बीच साझेदारी को और मजबूत करेगा।

नीदरलैंड के ट्यूलिप के लिए प्रसिद्ध होने की बात का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा, ट्यूलिप और कमल दोनों हमें सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती में, दोनों को सुंदरता और शक्ति प्राप्त होती हैं।

भारत और नीदरलैंड अंतरराष्ट्रीय मंच पर समन्वय स्थापित कर सकते हैं और वैश्विक परियोजनाओं को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति आज भी यहां के लोगों के दिलों में बसी हुई है।

जनसंख्या...

कि एक बच्चा ही काफी है। कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी करते हैं जब पहला बेटा न हो। इस सोच की वजह से आबादी बढ़ नहीं रही।

बच्चे बोझ नहीं, संपत्ति हैं

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि बहुत से लोग सोचते हैं कि बच्चे बोझ होते हैं, लेकिन यह गलत सोच है। बच्चे दरअसल एक संपत्ति हैं, यानी देश और परिवार दोनों के लिए फायदेमंद हैं। नायडू ने कहा कि वे यह साबित करके दिखाएंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 17 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने उड़ीशा के राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा की तैयारियों को लेकर दी विस्तृत जानकारी

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को भुवनेश्वर में ओड़ीशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से शिष्टाचार भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने आगामी माह आयोजित होने वाली जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा के संबंध में राज्यपाल को विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष एवं जगन्नाथपुरी तीर्थ यात्रा समिति के चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल ने किया।

प्रतिनिधिमंडल में जगन्नाथ पुरी धार्मिक तीर्थ यात्रा के परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल तथा गोपाल मोर भी शामिल थे। समाज द्वारा आयोजित जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा 11 जून को हवाई जहाज द्वारा प्रस्थान करेगी तथा 12 जून को वापस हैदराबाद पहुंचेगी।

इस धार्मिक यात्रा का प्रायोजन रघुनाथमल गीताबाई ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है, जिसके सौजन्य से यह यात्रा संभव हो रही है। समाज की प्रत्येक शाखा से दो सदस्यों को इस यात्रा में शामिल करने का प्रावधान रखा गया है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई थी। सभी आ-वेदन पत्रों के परीक्षण के बाद अंतिम सूची जारी की जाएगी।

राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि ओड़ीशा सरकार की ओर से यात्रा के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बताया गया कि यात्रा की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने और कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण करने के उद्देश्य से यह तीन सदस्यीय टीम वर्तमान में जगन्नाथ पुरी प्रवास पर है।

बंडारू वैष्णव स्मारक फाउंडेशन द्वारा

तेलंगाना में न्यूनतम मजदूरी संशोधन पर गोलमेज बैठक कल

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंडारू वैष्णव स्मारक फाउंडेशन द्वारा तेलंगाना में श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी के संशोधन पर एक गोलमेज बैठक का आयोजन 18 मई 2026 को सुबह 10:30 बजे हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित प्रेस क्लब में किया जा रहा है। इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री बंदारू दत्तात्रेया की अगुवाई में की जाएगी।

यह बैठक प्रमुख ट्रेड यूनियन नेताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक दल के नेताओं और श्रम कल्याण में व्यापक ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञों के लिए एक मंच का काम करेगी, जहां न्यूनतम मजदूरी के संशोधन में हो रही देरी और राज्य के वेतन संरचना में आवश्यक वृद्धि पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस बैठक में पूर्व केंद्रीय श्रम मंत्री और इंटक अध्यक्ष श्री जी. संजीवा रेड्डी, भाजपा विधायक दल के नेता श्री अलेति महेश्वर रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष तेलंगाना विधानसभा और एमएलसी श्री मधुसूदनाचार्य, सीपीआई के विधायक श्री कुनामनेनी संबाशिव राव, पूर्व विधायक और सीपीआई राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री चाडा वेंकट रेड्डी, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) के अध्यक्ष श्री एम.डी. यूसुफ, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटीयू) के अध्यक्ष श्री चुक्का रामुलु, तेलुगु नाडु ट्रेड यूनियन काउंसिल (टीएनटीयूसी) के श्री एम.के. बोस, भारत राष्ट्र समिति कर्मिका विभागम (बीआरएसकेवी) के अध्यक्ष श्री जी. रामबाबू, ट्रेड यूनियन सेंटर ऑफ इंडिया (टीयूसीआई) के अध्यक्ष श्री के. सूर्यम, हिंद मजदूर संघ (एचएमएस) के अध्यक्ष श्री रेब्बा रामा राव, साथ ही प्रमुख ट्रेड यूनियन नेता, विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक दल के नेता और श्रम कल्याण में व्यापक ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञ भाग लेंगे।

जैन श्रावक संघ कोरा के तत्वावधान में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्रावक संघ कोरा के तत्वावधान एवं श्री आनंद जैन युवा मंडल कोरा के सौजन्य से शुक्रवार को गुरु गौतम मुनि चैरिटेबल हॉस्पिटल में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र, दंत एवं फिजिशियन विशेषज्ञों द्वारा आम नागरिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भानुका नर्मदा मल्लिकार्जुन उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजकों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर कोरा संघपति संपत राज कोठारी, अध्यक्ष गौतम श्रीश्रीमाल तथा संघ के सदस्य बीजराज श्र-ीश्रीमाल, गौतम कटारिया और गौतम बेताला उपस्थित रहे।

इसके साथ ही वर्धमान महिला मंडल की सदस्य संतोष बेताला की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास कटारिया, महामंत्री हर्ष लोढ़ा तथा सक्रिय सदस्यों अंकित कटारिया, आदर्श कटारिया, आकाश कटारिया, भावेश बंबोली, राहुल लोढ़ा, अभिषेक गड़िया तथा शेरू तातेड़ ने विशेष योगदान दिया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की अन्न सेवा से जरूरतमंदों के चेहरों पर आती है मुस्कान : पिंकी अग्रवाल

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास आयोजित नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लेकर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पिंकी अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार जिस समर्पण और निस्वार्थ भावना से सेवा कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। अन्न सेवा जैसे कार्यक्रम लोगों के मन में सहयोग, संवेदनशीलता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एकजुट होकर सेवा कार्यों में भाग लेते हैं, तब जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

पिंकी अग्रवाल ने महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि परिवारों में संस्कार और सेवा भावना का विकास ऐसे आयोजनों से ही संभव होता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार समाज सेवा के कार्यों में आगे आना चाहिए, क्योंकि सेवा से ही समाज मजबूत और संगठित बनता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता आपसी प्रेम, सहयोग और सेवा भावना की है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस प्रकार निरंतर जरूरतमंदों तक अन्न सेवा पहुंचा रहा है, वह वास्तव में सराहनीय कार्य है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और नई पीढ़ी को भी सेवा कार्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, संजय गोयल, किरण गोयल, भगत राम गोयल, राजेश नथानी, अनिता नथानी, मधु अग्रवाल, शुचि गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, रचित अग्रवाल, जस्टी अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, पुष्पा बाई गोयल, मोहन गोयल, सिम्पल गोयल, भाकर राम कुमावत एवं कमला देवी कुमावत सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

शनि अमावस्या पर अमावस्या सेवा समिति द्वारा अन्नदान एवं छाछ सेवा आयोजित

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनि अमावस्या के पावन अवसर पर अमावस्या सेवा समिति द्वारा एर्रागड्डा क्षेत्र में अन्नदान एवं छाछ वितरण सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों को अन्नप्रसाद और ठंडी छाछ वितरित की गई। भीषण गर्मी को देखते हुए आयोजित इस सेवा कार्य की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

इस अवसर पर सुनील जैन, संजय अग्रवाल, भरत जानी, मुकेश अग्रवाल, राजेश केडिया, सुशील महेश्वरी, सुशील अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, राज कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, अशोक जैन तथा राजेश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में योगदान दिया।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में शनि अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा , कृष्ण बेवाल, शरद वर्मा, हंसराज बेवाल एवं अन्य।

शनि जयंती पर शनि होमम और अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमावस्या और शनि जयंती के पावन अवसर पर आज हैदराबाद के कोटी बैंक स्ट्रीट, रानी पार्क के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में शनि होमम और अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शनि होमम की शुरुआत सुबह 9:00 बजे हुई, जिसमें भगवान शनि देव का आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव द्वारा दोपहर 12:30 बजे से अन्नदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसे भक्तों और स्थानीय निवासियों से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

एन.आर. लक्ष्मण राव ने इस पूरे कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी भक्तों, स्वयंसेवकों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

सेवा, समर्पण और सहयोग की मिसाल बन रहा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, मरीजों के परिजन एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ भाग लेते हुए मानव सेवा का संदेश दिया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लंबे समय से निरंतर अन्न सेवा, जरूरतमंदों की सहायता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न सेवा कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित इस नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम में समाज के कई प्रतिष्ठित लोगों एवं सेवा भाव से जुड़े सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। सेवा स्थल पर सुबह से ही सदस्यों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला और सभी ने मिलकर सुव्यवस्थित रूप से भोजन वितरण की व्यवस्था संभाली।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सतीश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सेवा कार्य की सफलता सामूहिक प्रयास से ही संभव होती है और यह ग्रुप भी सभी सदस्यों के सहयोग, प्रेम और समर्पण के कारण लगातार समाजहित में कार्य कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और हम सभी को समय-समय पर ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

सतीश गुप्ता ने कहा कि अस्पतालों के आसपास कई ऐसे लोग होते हैं जो दूर-दराज से अपने मरीजों के इलाज के लिए आते हैं और कई बार भोजन जैसी मूलभूत आवश्यकता भी उनके लिए कठिन हो जाती है। ऐसे में अन्न सेवा का यह छोटा सा प्रयास लोगों के चेहरों पर संतोष और राहत लाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच अपनत्व, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करना भी है।

कार्यक्रम में सतिश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, उमाकांतजी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा एवं हरीश टोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में पूरी निष्ठा के साथ सहयोग करते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्यों का आयोजन किया जाता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे इन सेवा कार्यों की समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सराहना की जा रही है और लोग लगातार इस अभियान से जुड़ते जा रहे हैं।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा अन्नप्रसाद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार की ओर से बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में अप्रैल अमावस्या के अवसर पर अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान करीब 400 स्थानीय निवासियों को प्रसाद वितरित किया गया। परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पिछले 32 महीनों से गोल्डन टेंपल में नियमित रूप से अन्नप्रसाद वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम हरे कृष्ण मंत्रोच्चार के साथ अन्नप्रसाद की प्रार्थना की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद में दही चावल, सांभर चावल, मीठी बालूशाही तथा खारी बूंदी शामिल थे। इस अवसर पर मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, अकांशु अग्रवाल, संतोष अग्रवाल तथा ललिता अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में भाग लिया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भारत भारती का

राष्ट्रीय एकता सम्मेलन 31 मई को

22 राज्यों की संस्कृति और व्यंजनों की झलक होगी आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत भारती द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 मई को शाम 5 बजे एग्जिबिशन ग्राउंड में भव्य राष्ट्रीय एकता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

संस्था ने बताया कि भारत भारती पिछले 21 वर्षों से देशभर में राष्ट्रीय एकात्मता को समर्पित होकर कार्य कर रही है। संस्था का मानना है कि भारत का प्रत्येक शहर लघु भारत का स्वरूप प्रस्तुत करता है। इसी विचार के साथ इस वर्ष देशभर के 150 लघु भारत शहरों का चयन किया गया है, जहां सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संस्था के अनुसार हैदराबाद का इस अभियान में विशेष महत्व है, क्योंकि स्वतंत्र भारत में हैदराबाद का विलय सरदार पटेल द्वारा लिए गए ऐतिहासिक ऑपरेशन पोलो निर्णय के कारण संभव हो पाया था। संस्था ने कहा कि हैदराबाद की जनता सरदार पटेल के प्रति कृतज्ञ है और उसी भावना को व्यक्त करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में हैदराबाद में निवास कर रहे विभिन्न 22 राज्यों के लोगों द्वारा फूड स्टॉल लगाए जाएंगे तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सम्मेलन में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा जी. किशन रेड्डी तथा पुरुषोत्तम रूपाला को भी आमंत्रण भेजा गया है।

कार्यक्रम में गुजराती समाज की ओर से सरदार पटेल की एक विशाल प्रतिमा भी भेंट की जाएगी।

भारत भारती ने हैदराबादवासियों से इस राष्ट्रीय एकता सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना से समाज को मिल रही नई प्रेरणा : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित माता मंदिर के पास गौशाला के सामने भव्य सेवा एवं अन्न वितरण कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने भाग लेकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरण कर सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है, जो वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और हर व्यक्ति को अपने जीवन में सेवा को अपनाना चाहिए। जब हम बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद करते हैं, तब समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्न सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दे रहा है। ग्रुप के माध्यम से अनेक लोग सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं, जिससे जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल रही है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में भाग लेना चाहिए, क्योंकि सेवा ही सच्चा धर्म और मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

कार्यक्रम के दौरान गौसेवा, अन्न वितरण एवं सामाजिक सहयोग के विभिन्न कार्य किए गए। उपस्थित लोगों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राधे-राधे ग्रुप के प्रयासों की सराहना की। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रचित अग्रवाल, जस्ती अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, राजेश सर योगा, महेश गोयल, लता गोयल, मीना अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल एवं माधुरी डालिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आईजी गौशाला में शनि अमावस्या पर भजन संध्या एवं पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में शनि अमावस्या के पावन अवसर पर भजन संध्या, शनि पूजा-अर्चना एवं भोजन प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया।

कार्यक्रम में आईमाता जी भजन मंडली के कलाकारों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजन प्रस्तुत करने वालों में मोहनलाल भायल, ओमप्रकाश कुमावत, गिरधारीलाल प्रजापत, पिंटु सागर, लक्ष्मण सुथार, भेराराम सैणचा तथा पप्पूराम चौधरी शामिल रहे।

इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार सहित भंवरलाल मुलेवा, पारसमल शर्मा, अर्जुनलाल बर्फा, कालुराम काग, कैलाश सानपुरा, किशनलाल पंवार तथा समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं गौभक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भोजन प्रसादी के लाभार्थियों के रूप में ओमप्रकाश, धर्मीचन्द्र हाम्बड़, आई माताजी ट्रेडर्स, छगनलाल, अमराराम गुर्जर, नारायणलाल गेहलोत तथा मनोहरलाल आगलेचा ने सहयोग प्रदान किया। महिलाओं ने श्रद्धा के साथ शनि पूजा-अर्चना में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गौसेवा का लाभ प्राप्त किया।

आंध्र प्रदेश में टिपर लॉरी की चपेट में आने से चार महिला मजदूरों की मौत

काकीनाडा, 16 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा ग्रामीण में कुव्वुर पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की सुबह काम पर जा रहीं मनरेगा की महिला मजदूरों को एक तेज रफ्तार टिपर-लॉरी ने कुचल दिया।

इस दर्दनाक हादसे में 4 महिला मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस ने बताया कि मनरेगा मजदूरों का एक समूह काम पर जा रहा था। मैनेजर ने उन्हें फोटो लेने के लिए काम की जगह बुलाया था। जब मजदूर राजमार्ग पार कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार टिपर-लॉरी ने उन्हें कुचल दिया, जिससे वासमशेट्टी सत्यवती (60), पालिका कृष्णवेनी (35) ,के. चिट्टेम्मा (45) और चेल्लुरी अन्नावरम (45) की मौत हो गई। सभी मृतक महिलाएं चिडिगा गांव की रहने वाली थीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में दो महिला मजदूर मट्टापर्ती अरुणा कुमारी और पालिका नागमणि घायल हो गईं और उन्हें जीजीएच में भर्ती कराया गया, जहां नागमणि की हालत बहुत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद टिपर-लॉरी ड्राइवर गाड़ी वहीं छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जीजीएच भेज दिया।

गुजरात के अंबाजी स्थित विश्व विख्यात माँ अंबाजी मन्दिर शक्ति पीठ मे गौ माता राष्ट्र माता घोषित हो, देश में गौ हत्या बंद हो इस संकल्प के साथ पूजा करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, साथ मे जया जागीरदार, नरेश पारेख जैन, कोमल जैन, रेखा जैन एवं अन्य

अत्तापुर में अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों में अन्नदान किया गया इस अवसर पर बद्रीप्रसाद सरायवाला पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज अत्तापूर, श्रीनिवास सोमानी अध्यक्ष राजस्थानी जागृति समिति, सुरेश मोदी नव जगृति मंच अतापुर, श्याम झंगिड़, श्याम अग्रवाल, नरेश अग्रवाल एवं अन्य।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.